A Daily News Magazine
भोपाल
शुक्रवार, 14 जून, 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 277 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

मोदी कैबिनेट 3.0: भारतीय राजनीति में जाति और वंश की शक्ति

माधवन नारायणन

सुर्खियों से परे देखना एक दिलचस्प काम है। जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली, यह दिखाने की उत्सुकता थी कि उनके पास कमान है, और जैसा कि एक हेडलाइन में लिखा था- मोदी ने अपनी शर्तों पर तीसरा कार्यकाल शुरू किया।

मेरी व्यंग्यात्मक प्रतिक्रिया थी- 'ओह? सच में?' आपको केवल यह देखने के लिए हेडलाइन के नीचे डिटेल देखना होगा कि इसकी शब्दावली मोदी 3.0 के तहत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार (एनडीए) के अर्थों के उलट हो सकती है। मैं यह जानने का इंतजार कर रहा हूं कि इसमें से कितना सैद्धांतिक समन्वय का मिश्रण होगा और इसका हिस्सा मांग करने वाले सहयोगियों के कितना दबाव और खींचतान के कारण होगा। आप इसे गठबंधन धर्म और गठबंधन ड्रामा का उभरता हुआ मिश्रण कह सकते हैं।

फिर तथ्य यह है कि अमित शाह (गृह), निर्मला सीतारमण (वित्त), नितिन गडकरी (परिवहन), एस जयशंकर (विदेश मामले) और अश्विनी वैष्णव (रेलवे) नई कैबिनेट में अपने विभाग बरकरार रख रहे हैं, जिससे पता चलता है कि मोदी प्रतिकूल परिस्थितियों में निरंतरता लागू रखने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि पोर्टफोलियो के विषय के रूप में रेलवे आमतौर पर सहयोगी दलों द्वारा मांगी जाती है लेकिन मोदी ने इसे नहीं दिया है। जनता दल (जदयू), तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और जनता दल (सेक्युलर) जैसे दलों के गठबंधन मंत्रियों को बैलेंस करने के लिए क्रमशः पंचायत राज, नागरिक उड्डयन, खाद्य प्रसंस्करण और भारी उद्योग जैसे मंत्रालय मिले हैं। ये मंत्रालय सहयोगियों के लिए काफी रसदार हैं लेकिन अभी भी पावर प्ले रडार से नीचे हैं, जो नई दिल्ली की राजनीति में एक महत्वपूर्ण फैक्टर है।

हमें अभी भी दूसरे डिटेल्स पर गौर करने की जरूरत है, जिसमें यह भी शामिल है कि लोकसभा अध्यक्ष कौन होगा और गठबंधन सहयोगियों और खारिज किए गए पार्टी वफादारों की उभरती सुगबुगाहटों को सुनना होगा। हनीमून पीरियड सिर्फ इतनी दूर तक ही हो सकती है। इस साल मोदी कैबिनेट ने एक तरह से अर्थशास्त्र और राजनीति के नियमों को फिर से लिखने की मजबूरियों को मजबूत किया है और यह फिल्म भारतीय समाज के लिए एक आकर्षक रूपक बनी हुई है। मंथन, जिसका शाब्दिक अर्थ है 'मथना', गुजरात के एक गांव में सामाजिक और आर्थिक मंथन के बारे में है, जो डॉ. वर्गीस कुरियन के अनुभवों पर आधारित है, जब वह भारत में श्वेत क्रांति की शुरुआत करने के लिए आनंद चले गए थे। ये कहानी स्मिता पाटिल की दूध का बर्तन मथने जिसमें जाति, लिंग और राजनीतिक मोड़ शामिल हैं, जो आज की राजनीति को दर्शाते हैं।

मैं मोदी की नई कैबिनेट में राजनीतिक मंथन की झलक देख सकता हूं कि जिस तरह से उन्होंने मंत्रिपरिषद का गठन किया है, वह निरंतरता और परिवर्तन दोनों को स्वीकार करने के लिए मजबूर हो गए हैं। गठबंधन बनाने की मजबूरियों ने बीजेपी के प्रमुख एजेंडे पर लगाम लगा दी है, जो प्रधानमंत्री के दूसरे कार्यकाल के दौरान गूंजता रहा- कश्मीर के लिए अनुच्छेद 370 का उन्मूलन, एक समान नागरिक संहिता और अल्पसंख्यक मुसलमानों के लिए कोटा के खिलाफ बहुत कुछ. क्षेत्रीय और जातीय नेताओं ने आधिकारिक तौर पर कोई बाहरी शर्तें नहीं रखी हैं, लेकिन प्रभावी रूप से मोदी के लिए आंतरिक बाधाएं तय की हैं।

सावधानीपूर्वक तैयार की गई मंत्रिपरिषद मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी की दो अलग-अलग फैक्टर को ध्यान में रखने की मजबूरी को भी दर्शाती है- नई लोकसभा में मूल्यवान सीटें जीतने वालों को पुरस्कृत करने की जरूरत और कुछ दूसरे लोगों को भविष्य के चुनावों पर नजर रखते हुए खुश रखने की आवश्यकता। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत में कभी न खत्म होने वाला सामाजिक मंथन राजनीतिक मजबूरियों को जरूरी बना देता है।

भले ही उनकी पार्टी मोदी को एक विशाल दूरदर्शी के रूप में पेश कर सकती है, लेकिन अब उन्हें अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत करते हुए अपने रियरव्यू मिरर में ध्यान से देखना होगा, हालांकि, उनकी पार्टी मशीनरी हमें बता सकती है कि वह अपनी विंडशील्ड पर जो कुछ भी देख सकते हैं, वह 2047 के एक विकसित भारत का हाईवे है। 23 साल किसी के लिए भी बहुत लंबा समय है, खासकर गठबंधन की मजबूरियों के तहत किसी नेता के लिए।

मंत्रिस्तरीय बंटवारे पर एक नजर डालने से मुसलमानों के लिए कोई प्रतिनिधित्व नहीं दिखता है और 72 की मंत्रिपरिषद में केवल सात महिलाएं हैं, जबकि हम मोदी की पिछली सरकार की 56-सदस्यीय परिषद के आकार में एक महत्वपूर्ण विस्तार देखते हैं। राजनीतिक मजबूरी ऐसी है कि मोदी को अपना केक बड़ा पकाना पड़ा और फिर असमान रूप से काटना पड़ा।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का साफ लहजे में कि वह केवल एक कैबिनेट पद स्वीकार करेगी, इससे कम नहीं। इसमें हम एक जिद देखते हैं, जो दर्शाती है कि गठबंधन सहयोगियों के साथ व्यवहार करना पार्टी द्वारा नियुक्त सदस्यों के साथ व्यवहार करने से काफी अलग है। मंत्रिपरिषद में पिछड़ी जातियों के 27 सदस्य, 10 दलित, पांच आदिवासी और चार गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यक सदस्यों के साथ, 24 राज्यों के विभिन्न हितों का विस्तृत प्रतिनिधित्व काफी विस्तृत दिखता है, लेकिन तथ्य यह है कि केवल 33 सदस्य ही मंत्री थे, निवर्तमान परिषद से पता चलता है कि बीजेपी को अपने खुद के रैंकों में कटौती करनी पड़ी है।

पूर्व प्रधानमंत्री चरण सिंह के पोते और राष्ट्रीय लोक दल के जयंत चौधरी स्पष्ट रूप से कैबिनेट में हैं क्योंकि वह पश्चिमी यूपी के जाट समुदाय से हैं, जबकि कांग्रेस से बीजेपी में आए जितिन प्रसाद भी कैबिनेट में हैं, जो उत्तर प्रदेश का ब्राह्मण समाज प्रतिनिधि हैं।

तुष्टीकरण के खिलाफ बीजेपी की घोषित प्रतिबद्धता मुसलमानों पर लागू हो सकती है, लेकिन हिंदू जातियों या समुदायों पर नहीं। पिछले कुछ महीनों के दौरान चुनाव अभियानों में मोदी की पसंदीदा चीज- परिवारवाद की वापसी की विडंबना देखिए। चौधरी और जितिन प्रसाद, जिनके पिता जितेंद्र प्रसाद कभी विपक्षी कांग्रेस पार्टी के राजनीतिक सचिव थे, दोनों वंशवादी शासन का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसका बीजेपी विरोध करने का दावा करती है। इन दोनों के अलावा, एचडी कुमारस्वामी, चिराग पासवान और अनुप्रिया पटेल सभी सहयोगी दलों के राजनीतिक नेताओं के वंशज हैं। अपने खुद के रैंकों में, बीजेपी ने राव इंद्रजीत सिंह, बांसुरी स्वराज और ज्योतिरादित्य सिंधिया का नाम लिया है, इन सभी का राजनीति में उत्थान उनके माता-पिता के कारण हुआ है। आप कह सकते हैं कि मोदी ने नरम परिवारवाद के विचार को स्वीकार कर लिया है।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

नीट के 1563 कैंडिडेट्स की दोबारा परीक्षा का प्रस्ताव

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा- 23 जून को परीक्षा होगी, 30 जून तक रिजल्ट मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट एग्जाम में गड़बड़ियों को लेकर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। केंद्र की ओर से प्रस्ताव रखा गया कि ग्रेस मार्क्स पाने वाले 1563 कैंडिडेट के स्कोरकार्ड निरस्त होंगे। इसके बाद बिना ग्रेस मार्क्स के स्कोर कार्ड जारी किए जाएंगे।

एनटीए की कमेटी ने सुझाए हैं प्रस्ताव

याचिकाकर्ताओं ने नीट परीक्षा में 1563 कैंडिडेट्स को दिए गए ग्रेस मार्क्स पर आपत्ति जताई थी। एनटीए ने इस मामले की जांच के लिए एक कमेटी बनाई थी। इस कमेटी ने 10, 11 और 12 जून को बैठक की।

● 3 याचिकाओं पर सुनवाई हुई

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को नीट यूजी 2024 रिजल्ट को चुनौती देने वाली 3 याचिकाओं पर सुनवाई हुई।

इनमें 3 मांग की गई थीं...

● परीक्षा में शामिल 1563 स्टूडेंट्स को ग्रेस मार्क्स दिए गए जो गलत है। ● मौजूदा रिजल्ट के बेस पर हो रही काउंसलिंग को रोका जाए। ● नीट परीक्षा रद्द की जाए और एग्जाम दोबारा कराया जाए।

● **शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा- पेपर लीक के कोई सबूत नहीं-** केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पेपर लीक के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि इसका कोई सबूत नहीं है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, एनटीए पर भ्रष्टाचार के आरोप निराधार हैं। यह एक बहुत ही विश्वसनीय संस्था है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई कर रहा है और हम उसके निर्णय का पालन करेंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी छात्र को नुकसान न हो।

● **काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर चुका है सुप्रीम कोर्ट-** इससे पहले 11 जून को सुप्रीम कोर्ट ने स्टूडेंट शिवांगी मिश्रा और 9 अन्य छात्रों की याचिका पर सुनवाई की थी। इसे रिजल्ट की घोषणा से पहले 1 जून को दायर किया गया था।

पीएम मोदी ने की जम्मू-कश्मीर के हालात की समीक्षा

● सेना को दी खुली छूट, आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई का दिया निर्देश ● पीएम ने की हाईलेवल मीटिंग की, शाह और अजीत डोभाल मौजूद थे

नईदिल्ली (एजेंसी)। जम्मू में रियासी आतंकी हमले और कठुआ में सेना के साथ दहशतगर्दों की मुठभेड़ के बाद जम्मू-कश्मीर में हालात संवेदनशील बन गए हैं। पुलिस और सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया है। जबकि अन्यों की तलाश जारी है। इसे लेकर जम्मू संभाग में चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया हुआ है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनएसए अजित डोभाल और अन्य अधिकारियों के साथ जम्मू-कश्मीर में स्थिति की समीक्षा की है। प्रधानमंत्री को जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा संबंधी स्थिति की पूरी जानकारी दी गई। उन्हें आतंकवाद विरोधी प्रयासों से अवगत भी कराया गया। वहीं, प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से आतंकवाद विरोधी क्षमताओं का पूरा उपयोग करने के लिए कहा है।

● **गृह मंत्री अमित शाह से की वार्ता-** मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार, इस मामले में प्रधानमंत्री ने गृह मंत्री अमित शाह से बात की और सुरक्षाबलों की तैनाती तथा आतंकवाद विरोधी अभियानों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भी बात की और जम्मू-कश्मीर में स्थिति का जायजा लिया। प्रधानमंत्री को स्थानीय प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में भी जानकारी उपलब्ध करवाई गई।

● **नौ जून को हुआ था पहला हमला-** जम्मू-कश्मीर के रियासी में शिवखोड़ी से आ रही एक बस पर आतंकियों ने हमला कर दिया था। इस हमले में नौ लोगों की जान चली गई। जबकि 41 श्रद्धालु घायल हो गए। इसके तीन दिन बाद 11 जून की शाम दहशतगर्दों ने कठुआ में दूसरे हमले को अंजाम दिया।

हिमाचल का दिल्ली को पानी देने से इनकार

एक दिन पहले हामी भरी थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में जल संकट को लेकर गुरुवार (13 जून) को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। हिमाचल प्रदेश ने कोर्ट से कहा कि उसके पास दिल्ली को देने के लिए 136 क्यूसेक पानी नहीं है। एक दिन पहले (12 जून को) हिमाचल ने कहा था कि उसकी तरफ से पानी छोड़ा गया है। हरियाणा की तरफ से पानी सप्लाई किया जाना बाकी है।

जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने कहा कि राज्यों के बीच यमुना के पानी का बंटवारा एक जटिल और संवेदनशील मुद्दा है। हमारे पास दिल्ली, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के बीच जल-बंटवारे के फॉर्मूले पर फैसला लेने की टेक्निकल एक्सपर्टीज नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली को पानी देने का फैसला अपर रिवर यमुना बोर्ड पर छोड़ दिया। कोर्ट ने कहा कि यमुना रिवर बोर्ड ने पहले ही दिल्ली को मानवीय आधार पर पानी की आपूर्ति के लिए आवेदन जमा करने का निर्देश दिया है। अगर दिल्ली सरकार ने एप्लीकेशन नहीं दी है तो आज शाम 5 बजे तक दे दें। कोर्ट ने यमुना रिवर बोर्ड को शुक्रवार (14 जून) को एक बैठक बुलाकर दिल्ली सरकार के एप्लीकेशन पर जल्द से जल्द फैसला लेने का आदेश दिया है। साथ ही कहा कि अगर जरूरत हो तो रोज बैठक कीजिए।

सुप्रीम कोर्ट बोला-

यमुना जल बंटवारे का मुद्दा जटिल

'पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा' प्रदेश के विकास को नया आयाम देगी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

हेलीकॉप्टर से धार्मिक स्थलों के दर्शन की सुविधा आरंभ होगी

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी को समर्पित 'पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा' से प्रदेश में पर्यटन के साथ-साथ उद्योग, व्यापार, शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र को भी लाभ होगा। प्रदेश में बढ़ रही एयर कनेक्टिविटी की सौगात सभी सेक्टरों को मिलेगी और प्रदेश के विकास को नये आयाम मिलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा' संचालन के शुभारंभ अवसर पर भोपाल एयरपोर्ट स्थित सेवा का टिकट बुकिंग काउंटर आरंभ किया तथा यात्रियों को बोर्डिंग पास प्रदान किए।

प्रदेश के सुदूरवर्ती क्षेत्रों से आवागमन कम समय में सुगम होगा- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 'पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा' का 15 जून को ग्वालियर और फिर 16 जून को उज्जैन से शुभारंभ करेंगे। 'पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा' में प्रदेश के 8 शहरों भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा, उज्जैन, ग्वालियर, सिंगरौली और खजुराहो को हवाई सेवा से जोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश का भौगोलिक क्षेत्र यूरोप के कई देशों से अधिक है, जनसंख्या की दृष्टि से भी हमारा प्रदेश कई देशों से बड़ा है। इस परिपेक्ष्य में प्रदेश में आरंभ हो रही विमान सेवा से परंपरागत रूप से यात्रा में सड़क और रेल मार्ग से लगने वाले समय में बहुत कमी आएगी। प्रदेश के सुदूरवर्ती रीवा- सिंगरौली क्षेत्र से आवागमन सुगम होगा साथ ही समय भी कम लगेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में हवाई यातायात के अंतर्गत तीन प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रदेश में सभी प्रमुख स्थलों पर एयर एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध है, आवश्यकता होने पर कलेक्टर से संपर्क कर एयर एंबुलेंस सेवा का लाभ लिया जा सकता है। चुनाव अवधि में भी एयर एंबुलेंस ने अपनी सेवाएं दी हैं। पूरे देश में केवल मध्यप्रदेश ही है जहा इस प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। एयर एंबुलेंस सेवा समाज के लिए समर्पित है। राज्य सरकार को 6 माह पूर्ण हो रहे हैं । इस अवधि में विकास की दिशा में प्रदेश में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यात्रियों को प्रदान किए बोर्डिंग पास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल से जबलपुर रीवा सिंगरौली के लिए प्रस्थान कर रहे विमान के यात्रियों सर्व श्री धर्मेंद्र दुबे, दिव्यराज सिंह, कुलदीप, नदीम खान तथा मनोज श्रीवास्तव को बोर्डिंग पास प्रदान किया। उन्होंने विमान सेवा की यात्रा का लाभ लेने वाले इन प्रथम यात्रियों का पुष्पहारों से स्वागत किया तथा उन्हें प्रतीक चिन्ह भी भेंट किए।

म.प्र.सरकार का बड़ा फैसला

24 घंटे खुलेंगे मॉल-रेस्टोरेंट, मुख्य बाजार

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में अब 24 घंटे (24×7) मॉल, रेस्टोरेंट, आईटी सेक्टर, मुख्य बाजार और बिजनेस सेंटर खुले रहेंगे। नगर निगम और औद्योगिक क्षेत्रों में ये सुविधा मिलेगी। इसे लेकर मोहन यादव सरकार ने श्रम विभाग के प्रस्ताव पर सहमति दे दी है। इसका नोटिफिकेशन एक दो दिन में जारी होने की संभावना है। जिसके बाद से ये व्यवस्था लागू हो जाएगी। इस व्यवस्था के प्रभावी होने के बाद मध्यप्रदेश ऐसा करने वाला देश का सातवां राज्य बन जाएगा। जहां 24 घंटे सातों दिन बाजार खुले रहते हैं। इसके पहले महाराष्ट्र, कर्नाटक, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और तेलंगाना में मॉल, रेस्टोरेंट, आईटी सेक्टर, मेन मार्केट, बिजनेस सेंटर 24 घंटे खुल रखे जाते हैं।

सुप्रभात

मैं कविता नहीं लिखता।
दर्ज़ करता हूँ अपनी तकलीफें तमाम।
तमाम नाइंसाफियां जो होती रहीं,
हमसे लूट लिया गया जो माल,
उसकी एक फेहरिस्त फ़क़त ।
मैं चाहता हूं कि सुनो तुम सब,
पढ़ो इनका एक एक हर्फ़,
और सही पाओ
तो दस्तख़त भी करो अपने।
एक एक पन्ने पर लिखो,
वापस मिले हमको हमारा हक़।
क्या हुआ जो तुम्हें लिखना नही आया,
मेरी ही तरह अपने सूखे पपड़ाये होंठों
से अंकित करो एक एक चुम्बन।
एक एक पन्ने पर छिड़को अपने
आंसुओं का नमक।
मैं इन्हें पेश करना चाहता हूं
तुम्हारे ईश्वर के दरबार में
एक अर्ज़ी की तरह।
हालांकि उसके पढ़े लिखे
होने का कोई सबूत नहीं।
और मुझे तो उस पर भरोसा भी नहीं।

– राजेन्द्र शर्मा

भोपाल का तापमान

अधिकतम 42.5°c | न्यूनतम 36°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 14 जून 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

यूपीआई पेमेंट पर देना होगा चार्ज ? सामने आई बड़ी जानकारी

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत में यूपीआई पेमेंट का इस्तेमाल तो हर कोई करता है। यही वजह है कि यूपीआई यूजर्स की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। लेकिन अब इससे संबंधित बड़ी जानकारी सामने आई है। दरअसल ये जानकारी ऐसे यूजर्स को थोड़ी चिंता में डाल सकती है जो यूपीआई पेमेंट के लिए क्रेडिट कार्ड का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं।

भारत की तरफ से रुपे पेमेंट नेटवर्क लाया गया था। यानी ये पूरी तरह भारतीय नेटवर्क था जिसने अमेरिका के वीसाऔर मास्टर कार्ड नेटवर्क को कड़ी टक्कर दी थी। अब बड़े बड़े बैंकों की तरफ से इसी नेटवर्क पर क्रेडिट कार्ड इशू किया जा रहा है। ज्यादातर यूजर्स इसी का इस्तेमाल भी कर रहे हैं। यही वजह है कि इसका मार्केट शेयर आज 30 प्रतिशत तक हो गया है।

चार्ज लगेगा ?

मीडिया से बात करते हुए एक्सपर्ट्स कहते हैं कि बड़ी पेमेंट के लिए लोग अब क्रेडिट कार्ड का ज्यादा इस्तेमाल करने लगे हैं। अब क्योंकि 2 हजार से ज्यादा की पेमेंट करने पर एमडीआर चार्ज लगाया जाता है। अब क्योंकि क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल ज्यादा हो रहा है तो चार्ज को भी बढ़ाया जा सकता है। यानी आपको छोटी पेमेंट पर भी चार्ज देना पड़ सकता है।

बैंक कर रहे प्लान

क्रेडिट कार्ड की मदद से यूपीआई पेमेंट को लेकर बैंक अभी भी प्लान बना रहे हैं। क्योंकि क्रेडिट कार्ड से पेमेंट करने की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। बैंक ऑफ बड़ौदा और एचडीएफ जैसे बैंक भी इस पर ध्यान दे रहे हैं। यही वजह है कि रुपे क्रेडिट कार्ड पर फोकस किया जा रहा है। बहुत सारी ऐप्स भी हैं जो क्रेडिट कार्ड से यूपीआई पेमेंट को बढ़ावा दे रही है। अब ऐसे में इसका इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

तीसरी बार एनएसए बनाए गए अजीत डोभाल

● पीएम के प्रधान सचिव बने रहेंगे पीके मिश्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में तीसरी बार मोदी सरकार बन चुकी है और इसके साथ ही मंत्रियों को उनके मंत्रालयों का आवंटन भी हो चुका है। गुरुवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) को लेकर बड़ी खबर सामने आई है।

अजीत डोभाल बने रहेंगे एनएसए – अजीत डोभाल को लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) नियुक्त किया गया है। अजीत डोभाल को पहली बार 20 मई 2014 को देश का राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किया गया था।

पीके मिश्रा बने रहेंगे प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव– उधर प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह जिम्मेदारी पीके मिश्रा ही संभालते रहेंगे। केंद्रीय कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने अजीत डोभाल और पीके मिश्रा की पुनर्नियुक्ति पर मुहर लगा दी है।

येदियुरप्पा के खिलाफ पास्को केस में गैर-जमानती अरेस्ट वारंट

● पूर्व सीएम पर नाबालिग से यौन शोषण का आरोप

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ पास्को मामले में बेंगलुरु की एक अदालत ने गुरुवार 13 जून को गैर–जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया।

पूर्व सीएम के खिलाफ एक नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी। मामला 2 फरवरी को बेंगलुरु का है। मामले में येदियुरप्पा ने कर्नाटक हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है, जिस पर शुक्रवार को सुनवाई होगी।

पेमा खांडू तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री बने

● चाउना मीन फिर डिप्टी सीएम, 10 मंत्रियों ने भी शपथ ली

ईटानगर (एजेंसी)। पेमा खांडू गुरुवार 13 जून को लगातार तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। उनके बाद चाउना मीन ने डिप्टी सीएम की शपथ ली। उनके अलावा बियुराम वाघा, न्यातो दुकम, गणरील डेनवांग वांगसू, वानकी लोवांग, पासंग दोरजी सोना, मामा नटुंग, दासंगलू पुल, बालो राजा, केंटो जिनी और ओजिंग तासिंग ने मंत्री पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह ईटानगर स्थित दोरजी खांडू कन्वेशन सेंटर में हुआ। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, किरेन रिजिजू और असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा मौजूद रहे।

2028 में होने वाले सिंहस्थ की तैयारी हो शुरू

उज्जैन में खुलेगा नया मेडिकल कॉलेज, सीमा परिवर्तन जन सुविधा को ध्यान में रखकर होगा

भोपाल (नप्र)। सरकार में प्रदेश में थानों की सीमाओं में परिवर्तन कराने के बाद अब विकासखंड, जिला और संभाग की सीमाओं में परिवर्तन कराने जा रही है। इसके लिए जल्द ही आयोग का गठन किया जाएगा। सीमाओं के परिवर्तन से कई जिलों के कई क्षेत्र दूसरे जिलों में जा सकेंगे। प्रदेश सरकार का तर्क है कि यह सीमा परिवर्तन जन सुविधा को ध्यान में रखकर किया जाएगा। वहीं, सरकार ने 2028 में होने वाले सिंहस्थ की तैयारी अभी से प्रारंभ करने के साथ उज्जैन में नया मेडिकल कॉलेज खोलने का निर्णय लिया है।

मोहन यादव सरकार के 6 माह के कार्यकाल में लगभग 3 माह लोकसभा चुनाव की आचार संहिता प्रभावी रही। इस दौरान कोई नया काम नहीं हुआ, लेकिन इसके पहले जो शुरुआत की उनके बारे में सरकार की ओर से दावा किया गया है कि नामांकन, बंटवारा, सीमांकन जैसे राजस्व के लाखों अविवादित लंबित मामलों के निराकरण के लिए अभियान चलाया गया और 30 लाख से अधिक प्रकरणों का निराकरण हो गया।

55 जिलों में साइबर तहसील व्यवस्था– प्रदेश के सभी 55 जिलों में साइबर तहसील व्यवस्था लागू कर दी, जिसमें नामांतरण के लिए पटवारियों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। संपत्ति के पंजीयन के लिए साथ नामांतरण भी हो जाएगा। कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए शोर मचाने वाले ध्वनि विस्तारक यंत्र धार्मिक स्थलों से हटवाए गए। ध्वनि विस्तारक यंत्रों के अनियंत्रित उपयोग को प्रतिबंधित करने के साथ 32 हजार से अधिक लाउड स्पीकरों को हटवाया गया।

11 हजार चयनित अभ्यर्थियों को दिए नियुक्ति पत्र– मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अनुसार, अब तक 11 हजार चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं और स्वास्थ्य समेत अन्य विभागों में नए और रिक्त पदों पर भर्ती होगी। चिकित्सा विशेषज्ञों की कमी को देखते हुए 607 पदों को पदोन्नति के स्थान पर सीधी भर्ती के माध्यम से करने की स्वीकृति दी गई है।

उज्जैन से रीजनल इन्वेस्टर समिट की शुरुआत करके स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के प्रयास प्रारंभ किए हैं। अब जबलपुर, रीवा, ग्वालियर समेत अन्य स्थानों पर ऐसी समिट होंगी। पहली समिट में एक लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

24 पुलिसकर्मियों को पदोन्नति

नक्सलियों को धूल चटाने वाले 24 पुलिसकर्मियों को समयपूर्व पदोन्नति देकर प्रोत्साहित किया तो मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने संभागीय मुख्यालय पहुंचकर कानून व्यवस्था और विकास कार्यों की शुरुआत की। दावा है कि अभियान चलाकर अब तक 30 लाख से अधिक लंबित राजस्व प्रकरणों का निपटारा किया जा चुका है।

तेंदूपत्ता संग्राहकों का पारिश्रमिक बढ़ाया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के अनुसार, एक भी योजना बंद नहीं की। रसोई गैस सिलेंडर 450 रुपये में दिलाने के लिए 45 लाख से अधिक बहनों को 118 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं तो छह लाख से अधिक किसानों को गेहूं का 125 रुपये प्रति क्विंटल बोनस दिया गया है। लाड़ली बहनों के खातों के प्रतिमाह राशि आ रही है तो सात लाख युवाओं को पांच हजार करोड़ रुपये का ऋण विभिन्न योजनाओं में स्वरोजगार के लिए स्वीकृत कराए गए। तेंदूपत्ता संग्राहकों का पारिश्रमिक तीन से बढ़ाकर चार हजार रुपये प्रति मानक बोरा किया गया।

परसाई की परंपरा के व्यंगकार हैं वीरेंद्र जैन

भोपाल। व्यंग्य की दो प्रधान धाराओं में वीरेंद्र जैन परसाई की परंपरा के व्यंगकार हैं, उनका लेखन अभी और प्रकाशित होना चाहिए ताकि हिंदी व्यंग्य परंपरा और भी समृद्ध हो। उक्त विचार देश के लब्ध प्रतिष्ठित व्यंगकार पद्मश्री ज्ञान चतुर्वेदी ने अपने अग्रज व्यंगकार और मध्यप्रदेश जनवादी लेखक संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र जैन के 75वें जन्मदिवस पर आयोजित अमृत महोत्सव में मुख्य अतिथि की आसंदी से व्यक्त किए। कार्यक्रम में वीरेंद्र जैन की संस्मरण केंद्रित पुस्तक 'मील के पत्थर और सायादार पेड़' का विमोचन कार्यक्रम भी संपन्न हुआ।

साहित्य की दुनियां में 75 वर्ष की उम्र में मनाए जाने वाले अमृत महोत्सव की परंपरा में वीरेंद्र जैन का 75 वां जन्मदिन उनके साथी लेखकों के साथ मध्यप्रदेश जनवादी लेखक संघ, मध्यप्रदेश प्रगतिशील लेखक संघ और मध्यप्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन के साथ लोकजतन के संयुक्त तत्वाधान में मनाया गया जिसमें कवि राजेश जोशी, आलोचक राम प्रकाश त्रिपाठी, संपादक लोकजतन कामरेड बादल सरोज आदि के व्याख्यान संपन्न हुए। कार्यक्रम में मीडिया संस्थानों के प्रबंध निदेशक डॉ. एमएल सोनी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

आलोचक राम प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि वीरेंद्र जैन ने व्यंग्य के साथ हर विधा में प्रचुर लेखन किया है जो उनकी विराट प्रतिभा का परिचायक है। कवि राजेश जोशी ने अपने वक्तव्य में उनकी जनपक्षधर प्रतिबद्धता को रेखांकित किया तो वहीं कामरेड बादल सरोज ने अपने विस्तृत उद्बोधन में वीरेंद्र जैन और दतिया जिले के संबंधों का विश्लेषण करते हुए कहा कि वीरेंद्र जैन को समझने के पहिले दतिया को समझना होगा। लोक की धौंस के साथ मुख्य धारा की समझ एक अद्भुत संयोजन क्रिएट करती है जो पिछले पचास साल से लिख रहे वीरेंद्र जैन के लेखन की खास पहिचान है उनके लेखन को समझने के लिए उनकी जन्मभूमि दतिया की संस्कृति को भी समझना होगा। वीरेंद्र जैन ने भी अपनी प्रतिनिधि रचनाओं का पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापक डॉ निलय गोस्वामी द्वारा किया गया।

अंकिता पाटकर को किया सम्मानित– कायक्रम में राजधानी की आराध्या एकेडमी की छात्रा कुमारी अंकिता पाटकर को मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा घोषित राज्य सेवा परीक्षा के चयन परिणाम में उप जिलाधीश के पद पर चयनित होने पर अंकिता और उनकी प्रशिक्षण संस्था की निदेशक पूनम भटनागर को सम्मानित किया गया।

प्री नर्सिंग सिलेक्शन टेस्ट का रिजल्ट रुका

अनेक जिलों की छात्राओं ने भोपाल में किया प्रदर्शन

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के नर्सिंग कॉलेज घोटाले का मामला अभी थमा ही नहीं था, कि दूसरी तरफ मध्यप्रदेश के कई जिलों से एनएसयूआई मेडिकल विंग के नेतृत्व राजधानी भोपाल के जेपी हास्पिटल पहुंच कर छात्राओं ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन करने वाली छात्राओं ने बताया कि वह शासकीय नर्सिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए 2023 में पीएनएसटी का एग्जाम दे चुके हैं मगर उसका परिणाम अभी तक जारी नहीं किया गया। एनएसयूआई नेता रवि परमार ने बताया कि 2022-23 सत्र में प्रवेश के लिए पीईबी (व्यापम) के द्वारा प्री नर्सिंग सिलेक्शन टेस्ट की परीक्षा जुलाई 2023 में आयोजित करवाई गई थी परीक्षा देने के बाद 1 से 2 महीने के अंतराल में रिजल्ट घोषित कर दिया जाता है मगर रिजल्ट अभी तक नहीं घोषित किया गया है।

66 हज़ार स्टूडेंट्स हैं शामिल– रवि परमार ने कहा कि 66 हज़ार स्टूडेंट्स ने पीईबी के माध्यम से परीक्षा दी थी करोड़ों रुपए परीक्षा शुल्क के रूप में पीईबी द्वारा लिए गए लेकिन 1 साल से रिजल्ट जारी नहीं किया वहीं प्राइवेट नर्सिंग कॉलेजों में धड़ल्ले से प्रवेश हो रहें ? इससे सरकार कि मंशा स्पष्ट हो चुकी हैं कि प्राइवेट नर्सिंग कॉलेजों को मुनाफा पहुंचाने के लिए ही शासकीय नर्सिंग कॉलेजों के लिए प्रवेश परीक्षा के परिणाम अभी तक घोषित नहीं किए गए जिसकी वजह से 2022 से मध्यप्रदेश के शासकीय नर्सिंग कालेजों में एक भी छात्राओं के प्रवेश नहीं हुई। रवि कहते हैं कि कि अगर प्री नर्सिंग सिलेक्शन टेस्ट (पीएनएसटी) परीक्षा का रिजल्ट तत्काल जारी कर प्रवेश प्रक्रिया शुरू नहीं की गई तो मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेंगे।

महाराष्ट्र के नागपुर में कारखाने में हुए विस्फोट में 5 श्रमिकों की मौत

नागपुर (एजेंसी)। एक दुखद घटना में, गुरुवार को महाराष्ट्र के नागपुर शहर के पास एक विस्फोटक–निर्माण कारखाने में हुए विस्फोट में कम से कम पांच श्रमिकों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। स्थानीय पुलिस के मुताबिक, इनमें से तीन को गंभीर चोटें आई हैं. यह घटना हिंगना थाना क्षेत्र के धमना गांव में चामुंडी एक्सप्लोसिव प्राइवेट लिमिटेड में हुई।

खुशखबरी आई है!

उ.प्र. में शिक्षकों की रुकी भर्ती आगे बढ़ेगी, जल्द मिलेगा चयन आयोग को नया अध्यक्ष

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में भर्तियों की गाड़ी को फिर से ट्रैक पर लाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। इस कड़ी में रुकी शिक्षक भर्तियों को भी आगे बढ़ाने पर नजर है। शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। माना जा रहा है कि जल्द ही आयोग को स्थायी अध्यक्ष मिल जाएगा। प्रदेश में बेसिक, माध्यमिक, प्राविधिक, उच्च शिक्षा, अल्पसंख्यक कॉलेजों सहित सभी संस्थानों में शिक्षकों की भर्ती को एक छतरी के नीचे लाने के लिए शिक्षा सेवा चयन आयोग का गठन किया गया है।

इस कवायद में पांच साल से भी अधिक समय निकल चुका है। 2019 में यूपी शिक्षा सेवा चयन आयोग अधिनियम पास किया गया था, लेकिन इसकी अधिसूचना जारी नहीं की गई थी। बाद में इसमें नए बदलाव करते हुए पिछले साल नए ड्राफ्ट को मंजूरी दी गई और उसे सदन से पास कराया गया।

महाराष्ट्र में अजित पवार के साथ रिश्ता खत्म कर सकती है भाजपा

आरएसएस भी जता चुका है नाराजगी

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ संबंध तोड़ सकती है। एक रिपोर्ट की मानें तो बीजेपी आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ मिलकर लड़ सकती है।

अजित पवार ने जहां एक ओर 80 सीटों की मांग की है तो वहीं दूसरी तरफ बीजेपा का बड़ा गुट अजित को महायुति में रखने का पक्षधर नहीं है।

एनसीपी के साथ गठबंधन महाराष्ट्र में हार का कारण– यह बात तब सामने आई है जब आरएसएस के मुखपत्र में एक लेख में कहा गया था कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ गठबंधन महाराष्ट्र में भाजपा की लोकसभा चुनाव में हार का एक कारण था। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव 2024 में विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने महाराष्ट्र की 48 में से 30 सीटें जीतीं।

घोटालों से जुड़े होने के कारण अजित पवार के विरोधी हैं– एक रिपोर्ट में एक वरिष्ठ भाजपा नेता के हवाले से कहा गया है, आरएसएस-भाजपा कार्यकर्ताओं को पवार विरोधी नारे पर तैयार किया जा रहा है। सिंचाई और महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक घोटालों से जुड़े होने के कारण वे अजित पवार के विरोधी हैं।

एनसीपी ने भाजपा के प्रस्ताव को ठुकरा दिया

रविवार को मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के शपथ ग्रहण से कुछ घंटे पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने पार्टी नेता प्रफुल्ल पटेल को नई सरकार में स्वतंत्र प्रभार वाला राज्य मंत्री बनाने के भाजपा के प्रस्ताव को ठुकरा दिया।

प्रचार को तैयार नहीं थे आरएसएस-भाजपा कार्यकर्ता – भाजपा नेता ने कहा, लोकसभा चुनावों में यह स्पष्ट था कि आरएसएस–भाजपा कार्यकर्ता एनसीपी उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने के लिए तैयार नहीं थे और कई जगहों पर वे उदासीन बने रहे।

उत्तरी सिक्किम में बाढ़-भूस्खलन से फिर तबाही, 1 व्यक्ति की मौत, 5 लापता

गंगटोक (एजेंसी)। सिक्किम के मंगन जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण हुए भारी भूस्खलन में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य लापता हो गए हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन के चलते सड़कें अवरूद्ध हो गई हैं

और घर जलमग्न तथा क्षतिग्रस्त हो गए। भारी बारिश और भूस्खलन से बिजली के खंभे बह गए। मंगन जिले के पक्षेप क्षेत्र में एक व्यक्ति का शव मिला, जबकि रंगरंग के निकट अम्बिथांग से तीन और पक्षेप से दो अन्य व्यक्ति लापता हो गए हैं। अधिकारी ने बताया कि भूस्खलन के चलते गेयथांग में तीन घर क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि पेंटोक के पास नामपाथांग में भी कई घर क्षतिग्रस्त हो गए और सड़कें अवरुद्ध हो गई। भूस्खलन के कारण ब्रिंगबोंग पुलिस चौकी को निकटवर्ती स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया, जबकि संकलान में एक पुल की नींव क्षतिग्रस्त हो गई।

सागर में स्विमिंग पूल में डूबने से युवक की मौत, नहाने उतरा था

भोपाल (नप्र)। सागर के अटल पार्क स्थित स्विमिंग पूल में डूबने से युवक की मौत हो गई। घटना गुरुवार शाम की है। वह दोस्त के साथ नहाने गया था। उसे तैरना नहीं आता था। मृतक योगेश उर्फ विक्की सेन (25) निवासी तिलकगंज है।

रायसेन में वन विभाग ने पकड़ा बाघ

रायसेन (नप्र)। रायसेन में वन विभाग ने रॉयल बाघ का रेस्क्यू कर लिया। 10 दिन से कान्हा और पन्ना टाइगर रिजर्व से पांच हाथियों समेत वन विभाग के 100 से ज्यादा कर्मी, डीएफओ समेत रेंजर बाघ का रेस्क्यू में लगे थे। गुरुवार को बाघ का मूवमेंट रायसेन शहर के पास सूरई के जंगल में था। उसे ट्रैंक्यूलाइज कर बेहोश किया गया। एक महीने पहले नीमखेड़ा निवासी मनीराम जाटव का इसी बाघ ने शिकार किया था। करीब 3 महीने से बाघ शहर के आसपास ही जंगलों में अपना डेरा डाले था।

इंदौर निगम अमले के सामने बुजुर्ग ने खुद को थप्पड़ मारे

इंदौर (नप्र)। इंदौर में अतिक्रमण और अवैध चौपाटी हटाने पहुंचे निगम अधिकारियों के सामने बुजुर्ग ने खुद को दो थप्पड़ मारे। घटना गुरुवार सुबह अन्नपूर्णा क्षेत्र की है। बुजुर्ग का कहना था - कार्रवाई के पहले सूचना नहीं दी गई। दुकान और वहां रखे सामान को तोड़ा न जाए। हम खुद ही हटा लेंगे। यदि सूचना दी गई होती तो पहले ही हटा लेते। इस दौरान नगर निगम और पुलिस अधिकारी मौजूद थे। गुरुवार सुबह नगर निगम अमला सुदामा नगर और विश्वकर्मा नगर में चौपाटी की 20-25 दुकानें और 350 से अधिक अवैध निर्माण हटाने पहुंचा था।

पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति का गठन

भोपाल (नप्र)। राज्य शासन ने राज्य में पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एवं इसके घटक के रूप में शासकीय भवनों में सौर संयंत्रों की स्थापना के लिए जिला स्तरीय समिति प्रधानमंत्री सूर्य घर का गठन कलेक्टर की अध्यक्षता में किया है।

समिति मे मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, अधीक्षण यंत्री, विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, जिला लीड प्रबंधक, जिला अक्षय ऊर्जा अधिकारी, एवं अध्यक्ष द्वारा नामित विषय-विशेषज्ञ सदस्य होंगे। समिति द्वारा योजना के सभी घटकों के अंतर्गत प्रगति की नियमित समीक्षा की जायेगी। योजना के क्रियान्वयन के लिए विभागों के बीच आवश्यक समन्वय बनाना, सभी सरकारी भवनों को रूफटॉप सोलर से संतृप्त करने की कार्य योजना तैयार करना। सरकारी भवनों में रूफटॉप सोलर की स्थापना की स्थिति की समीक्षा करना और मिशन मोड में सभी सरकारी भवनों की संतृप्ति के लिए कार्य योजना के कार्यान्वयन की निगरानी और पर्यवेक्षण करना। विशेष रूप से सरकार की अन्य योजनाओं के लाभार्थियों में, रूफटॉप सौलर के लिए जागरूकता, क्षमता निर्माण और योजना क्रियान्वयन के लिए मैदानी स्तर पर विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना। योजना की प्रगति की नियमित (अधिकतम 3 माह में) समीक्षा करना, इससे समय-सीमा में लक्ष्य की प्राप्ति हो सके। योजना को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए आवश्यक निर्देश भी समिति द्वारा जारी किये जायेंगे।

डीईओ से पूछा- क्या आपने स्कूलों पर कोई कार्रवाई की?

भोपाल में कांग्रेसियों का प्रदर्शन; मनमानी फीस, महंगी किताबों को लेकर जताई नाराजगी

भोपाल (नप्र)। भोपाल में जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) ऑफिस में बुधवार को युवा कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। वे प्राइवेट स्कूलों की मनमानी फीस और महंगी किताबों को लेकर नाराज थे। जिलाध्यक्ष भोपाल ग्रामीण गोपील कोटवाल ने डीईओ से पूछा कि क्या आपने स्कूलों पर कोई कार्रवाई की? जबलपुर में तो कलेक्टर ने बड़े स्तर पर कार्रवाई की है। भोपाल में सिर्फ हवा में ही कार्रवाई हो रही है।

जिलाध्यक्ष कोटवाल ने कहा कि डीईओ एके त्रिपाठी को आवेदन देकर याद दिलाया कि भोपाल में सिर्फ हवा में ही कार्रवाई हो रही, जबकि जबलपुर में बड़े स्तर पर कार्रवाई हो चुकी है। भोपाल में बुक्स शॉप पर प्रशासनिक टीमें जरूर गईं, लेकिन कोई कड़ी कार्रवाई नहीं की। डीईओ से कहा कि 24 जून तक कार्रवाई करें, वर्ना बड़े स्तर पर प्रदर्शन करेंगे।

राज्यपाल ने ली स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक

विश्व सिकलसेल दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम की गरिमामय तैयारी करें : श्री मंगुभाई पटेल

भोपाल (नप्र)। विश्व सिकलसेल सेल दिवस के अवसर पर डिंडोरी में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम की गरिमामय तैयारियां सुनिश्चित करें। उपराष्ट्रपति महोदय के विशिष्ट आतिथ्य में होने वाले इस कार्यक्रम की समस्त व्यवस्थाएं सुचारु और सुव्यवस्थित हो। उक्त निर्देश राज्यपाल श्री पटेल ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में दिए। राजभवन के जवाहर खण्ड में आयोजित बैठक में अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण श्री मो. सुलेमान, राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री मुकेश चन्द गुप्ता, जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री दीपक खाण्डेकर मौजूद थे।

राज्यपाल श्री पटेल के समक्ष स्वास्थ्य विभाग ने 19 जून के डिण्डोरी कार्यक्रम की तैयारियों पर आधारित पी.पी.टी. प्रस्तुत की। श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश भर में विशेषकर जनजाति बाहुल्य ज़िलों में भी कार्यक्रम आयोजित करे। कार्यक्रम में स्थानीय एवं नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करें। श्री पटेल ने मुख्य कार्यक्रम सहित जिलों के कार्यक्रमों में शिविर, सिकल सेल जाँच, उपचार, मैरिज काउंसलिंग, जीवनचर्या परामर्श, औषधी वितरण, कार्ड वितरण आदि की समस्त व्यवस्था पर चर्चा करते हुए जरूरी निर्देश दिए। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि जिन गांवों और क्षेत्रों में सिकल सेल स्क्रीनिंग का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण हुआ है उन्हें सम्मानित किया जाए।

राज्यपाल श्री पटेल ने बैठक में सिकल सेल पोर्टल

की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने जिलेवार समीक्षा करते हुए कहा कि स्क्रीनिंग का कार्य गंभीरता से करें। चिन्हित मरीज़ों को बीमारी, उपचार, आयुवार औषधी वितरण, सुविधाएं और बचाव के तरीक़ों के बारे में सरल भाषा में बताए। उन्होंने कहा कि रोगियों की संख्या में कमी लाना हमारा सामूहिक उद्देश्य होना चाहिए। श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल के लिए प्रसव पूर्व जाँच, जन्म के 72 घंटों के बाद नवजात बच्चों की विशेष जाँच की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आवश्यकता अनुसार आंगनवाड़ी केंद्र सहित स्थानीय स्वास्थ्य अमले की मदद ले। ऐसी महिलाएँ जिन्होंने सिकल सेल की प्रसव पूर्व जाँच कराई है उनके स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी करे। 20-30 आयु वर्ग के वर-वधू को सिकल सेल और स्वास्थ्य की जाँच के महत्व की समझाईश दे। श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल जाँच और वितरण कार्ड का 19 जून तक अधिक से अधिक वितरण करने का प्रयास करें।

राज्यपाल श्री पटेल ने बैठक में नवजात शिशुओं के सिकल सेल जाँच की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सिकल सेल के जागरूकता अभियान में एन.सी.सी. के सदस्यों का भी सहयोग लिया जाए। उनके सहयोग से स्थानीय स्तर पर समय-समय पर कैंप का आयोजन करे।

निक्षय मित्रों की संख्या में वृद्धि हमारी प्राथमिकता- राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने बैठक में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि टी.बी. उन्मूलन के लिए निक्षय मित्रों का सहयोग आवश्यक है। निक्षय मित्रों की संख्या को बढ़ाना हमारी प्राथमिकता है। निक्षय मित्रों की संख्या बढ़ाने के लिए स्थानीय व्यापारिक संघों और चेंबर ऑफ़ कॉमर्स आदि से समन्वय कर उनका सहयोग भी प्राप्त किया जाए। राज्यपाल श्री पटेल ने प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान की समीक्षा करते हुए पोषण सहायता, निक्षय मित्र की जिलेवार समीक्षा, फूड बास्केट वितरण आदि बिन्दुओं पर चर्चा की और ज़रूरी निर्देश दिए। उन्होंने टी.बी. मुक्त भारत अभियान में मध्यप्रदेश की प्रगति से संतोष जताया और प्रबंधन टीम को बधाई दी।

बैठक में पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन संचालक स्वास्थ्य मिशन श्रीमती प्रियंका दास ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाकांत भार्गव, राज्यपाल के विधि अधिकारी श्री उमेश श्रीवास्तव, स्वास्थ्य और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भोपाल में पेड़ों से चिपककर रो पड़ीं महिलाएं

बोलीं- बुजुर्गों ने पेड़ लगाए, इनको बच्चों की तरह पाला, अब कैसे कट जाने दें

भोपाल (नप्र)। भोपाल में मंत्री-विधायकों के बंगलों के लिए 29 हजार से ज्यादा पेड़ काटने के तैयारी है। इस प्लान के विरोध में चिपको आंदोलन शुरू हो गया है। शिवाजी नगर और तुलसीनगर में ये पेड़ लगे हैं। यहां के लोग लगातार दूसरे दिन गुरुवार को भी सड़क पर उतर गए। महिलाएं पेड़ों से चिपक गईं। वे भावुक होकर पेड़ों को दुलारने लगीं।

विद्या पाटिल ने कहा कि ये पेड़ बुजुर्गों ने लगाए हैं, हमने इन्हें बच्चों की तरह पाला। अब इन्हें कैसे कटने दें? गुरुवार सुबह शिवाजी नगर और तुलसी नगर इलाके के लोग 5 नंबर स्टॉप के पास राम मंदिर परिसर में जुटे। विद्या पाटिल, सुखबाला तो रुआंसी हो गईं। सुखबाला ने कहा कि ये पेड़ हमारे परिवार का हिस्सा हैं। इनके साथ ही हम भी बड़े हुए हैं, लेकिन अब इन्हें काटने का फरमान आया है। विद्या ने कहा कि इन पेड़ों को बच्चों की तरह पाला जा रहा है। हमें कहा जा रहा है कि आपको कलखेड़ा भेजा जाएगा। यदि भेजना ही है तो मंत्री-विधायकों को भेजें।

सरकार का फरमान गलत, विरोध करते रहेंगे

रूपाली शर्मा ने कहा, तुलसीनगर और शिवाजी नगर में शहर की सबसे ज्यादा हरियाली है। उसी को काटने की अब बात हो रही है। सरकारी बंगले बनाए जाएंगे। यह फरमान गलत है। सरकार एक बार फिर से सोंचें। ये पेड़ कतई न कटें, क्योंकि ये हमारी ऑक्सीजन बैंक है। यदि पेड़ काटे जाते हैं तो सड़क पर उतरकर उग्र प्रदर्शन करेंगे।

पेड़ काटना बड़ा अपराध है

अभिभाषक विजय सिरवैया ने कहा, स्मार्ट सिटी के दौरान भी आंदोलन किया था। वहीं पर मंत्री और विधायकों के आवास बनने चाहिए। हरियाली कट जाएगी तो भोपाल का टेम्प्रेचर बढ़ जाएगा, इसलिए सरकार इन्हें न काटे। कोरोना के दौरान पेड़ों की ऑक्सीजन के दौरान ही इंसान बचे हैं। पेड़ काटना बड़ा अपराध है। कानून में इसे बड़ा अपराध माना गया है।

एक दिन पहले भी हो चुका प्रदर्शन

इससे पहले बुधवार को 5 नंबर स्टॉप पर बड़े स्तर पर प्रदर्शन हो चुका है। पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, पर्यावरणविद् सुभाष सी. पांडे, लोकसभा चुनाव के कांग्रेस कैंडिडेट रहे अरुण श्रीवास्तव, नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी, पार्षद योगेंद्र सिंह गुड्डू चौहान, पूर्व पार्षद अमित शर्मा, पर्यावरण मित्र राशिद नूर ने कहा था कि पेड़ काटे जाते हैं तो उग्र प्रदर्शन करेंगे। फिर चाहे सरकार उन्हें जेल में ही क्यों न बंद कर दें। प्लान को सरकार मंजूर न करें।

चूना भट्टी चौराहे के लिए तोड़े मकान, दुकानें

भोपाल में एसडीएम-टीआई की मौजूदगी में कार्रवाई; बिल्डिंग का पिलर भी तोड़ा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोलार सिक्सलेन प्रोजेक्ट में चूना भट्टी चौराहे के लिए मकान और दुकानें भी तोड़े जा रहे हैं। गुरुवार को चौराहे की जद में आ रहे 4 मकान और दो दुकानों का अगला हिस्सा तोड़ा गया। एसडीएम, टीआई की मौजूदगी में नगर निगम और पीडब्ल्यूडी ने यह कार्रवाई की। तीन मंजिला बिल्डिंग का पीलर भी तोड़ा गया। हालांकि, रहवासी और दुकानदार कार्रवाई न करने की गुहार लगाते रहे, लेकिन जिम्मेदारों ने उनकी एक न सुनी।

बता दें कि कोलार सिक्सलेन प्रोजेक्ट के तहत चूना भट्टी चौराहा बन रहा है। 200 फीट चौड़ाई वाले इस चौराहे पर 6 सिक्सलेन मेनरोड के अलावा डबल लेन में लेफ्ट टर्न बन रहे हैं। ऐसे में चौरोहे पर दोनों ओर कोलार रोड सिक्स की जगह 10 लेन की हो जाएगी। चौराहे पर आइलैंड बनाकर चारों ओर क्लीयर लेफ्ट टर्न दिए जाएंगे। कलियासोत की तरफ टर्न में कुछ मकान और दुकानें आ रही थीं। इसके चलते गुरुवार से कार्रवाई शुरू की गई। कलियासोत की तरफ 4 मकान तोड़े गए। यह सरकारी जमीन पर बने थे। मकान तोड़ने का परिवारों ने विरोध भी किया। आरती ने बताया, परिवार 50-60 साल से यह रह रहा है। अब घर तोड़ दिए हैं। इससे बेघर हो गए हैं। पहाड़ी पर रहने की जगह जरूर दी गई है, लेकिन वह कोई सुविधा नहीं है। सरकार हमें मुआवजा दें।

तीन में से एक लेन नहीं बन पाई थी

पीडब्ल्यूडी एसडीओ दीपक भंडारी ने बताया, लेफ्ट टर्न क्लियर करना है। इसलिए सरकारी जमीन पर अतिक्रमण तोड़ा गया। दो दुकानों का हिस्सा भी आ रहा था। इसे भी तोड़ने की कार्रवाई की गई। चौराहे पर मंदिर का शेड भी हटाया है। एक तरफ की तीन में से एक लेन नहीं बन पाई है। रास्ता साफ होने के बाद अब यह लेन भी बनाएंगे।

नाले की जद में आ रहा था बिल्डिंग का पिलर

चूना भट्टी इलाके में राम मंदिर चौराहे पर तीन मंजिला दादा जी एवेन्यू है। जिसका एक पिलर नाले की जद में आ रहा था। इसलिए नगर निगम की बिल्डिंग परमिशन शाखा की टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई करने लगी। हालांकि, दुकानदार और रहवासियों ने इसका विरोध जताया। उनका कहना था कि नाले के लिए जगह होने के बावजूद निगम पीलर तोड़ने की कार्रवाई कर रहा है। इसके लिए उन्होंने जनप्रतिनिधियों और अफसरों से संपर्क भी किया, लेकिन कार्रवाई नहीं रुकी। इसके बाद एक पीलर तोड़ दिया गया।

जबलपुर में बीजेपी मंडल अध्यक्ष, साथियों पर एफआईआर

अवैध खनन का आरोप, खदान में दबकर 3 मजदूर मारे गए थे; विधायक बोले- कार्रवाई कराएंगे

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में रेत खदान धंसने से हुई तीन मौतों पर भाजपा के सिहोरा मंडल अध्यक्ष (शहर) समेत तीन के खिलाफ एफआईआर की गई है। घटना 5 जून की है। जांच के बाद बुधवार देर रात रिपोर्ट दर्ज की गई है। गोसलपुर थाने की पुलिस ने जांच में पाया कि भाजपा नेता साथियों के साथ मिलकर अवैध खनन किया करते थे। आसपास के गांव के लोगों को मजदूरी पर लगा रखा था।

गोसलपुर थाना प्रभारी राजेंद्र मस्कोले ने बताया कि सोनू भदोरिया और चिंटु ठाकुर खदान से रेत का अवैध खनन करते थे। भाजपा के सिहोरा मंडल अध्यक्ष अंकित तिवारी अपने ट्रैक्टर और दूसरे वाहनों से रेत का परिवहन किया करते थे। मजदूरी करने वालों को यह लोग 300 रुपए प्रतिदिन भी देते थे। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सिहोरा से भाजपा विधायक संतोष बरकड़े का भी मानना है कि उनकी

विधानसभा में लंबे समय से रेत का अवैध खनन चल रहा है। अवैध खनन में भाजपा नेता अंकित तिवारी का नाम सामने आने पर उन्होंने कहा कि राजनीतिक दोष के कारण भी नाम आ सकते हैं। पुलिस अपना काम कर रही है।

विधायक बोले- मैंने एसडीएम को कार्रवाई के लिए बोला था...- विधायक ने बताया कि हादसे से एक हफ्ते पहले ग्रामीणों ने रेत के अवैध खनन की शिकायत की थी। जिस जगह खदान धंसी, वहां और आसपास निरीक्षण किया था। मौके पर ही एसडीएम सिहोरा को फोन लगाकर कार्रवाई के लिए भी बोला गया था, पर उन्होंने इस ओर ध्यान नहीं दिया। अवैध खनन को पूरी तरह से बंद करवाने के लिए कलेक्टर से मिलेंगे। ये भी मांग करेंगे कि अवैध खनन में लिप्त अधिकारियों-कर्मचारियों पर भी कार्रवाई की जाए। मृतकों के परिवार वालों को मुख्यमंत्री सहायता कोष से 2-2 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है।

भोपाल में हाथी ने महावत को कुचला

सूंड से उठाकर पटका, घसीटा, फिर पैर रखा; पुलिस हाथी को थाने ले आई

भोपाल (नप्र)। भोपाल में हाथी (मादा) ने एक महावत को कुचल दिया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि ये महावत का पालतू हाथी है। वे बुधवार रात को हाथी के नजदीक सो रहे थे, तभी हाथी ने उनको सूंड से उठाकर पटक दिया। हाथ पकड़कर घसीटा और पैर से कुचल दिया। घटना बुधवार देर रात भानपुर ब्रिज के पास की है। छोला मंदिर पुलिस हाथी को थाने ले आई है।

पुलिस ने बताया कि सतना जिले के सलैया के रहने वाले नरेंद्र कपाड़िया (55) को उन्हीं के पालतू हाथी ने मार डाला। एएसआई राकेश शुक्ला ने बताया, नरेंद्र पांच साथियों के साथ हाथी को देशभर में घुमाते थे। इस दौरान मिले दान से उनका खर्चा चलता था। बुधवार रात परवलिया के रास्ते वह भोपाल पहुंचे थे। गुरुवार सुबह विदिशा जाने का प्लान था। भानपुर ब्रिज के नजदीक खाली मैदान में पेड़ के नीचे हाथी को बांध दिया। रात करीब 9 बजे खाना खाया और हाथी के नजदीक ही सो गए।

पुलिस ने हाथी को कस्टडी में लिया- घटना के बाद पुलिस ने हाथी को अपनी कस्टडी में लिया है। हाथी को मृतक के साथी महावत पुलिस की मौजूदगी में थाने तक लेकर आए। हाथी को थाने के पिछले हिस्से में पीपल के पेड़ से बांधकर रखा गया है। पुलिस ने हाथी की देख-रेख के लिए मृतक के साथियों में से एक महावत को थाने में ही रहने कहा है।

हाथी के चिंघाड़ने की आवाज से नींद खुली- महावत के साथी भूपेंद्र ने बताया, रात करीब 11.30 बजे हाथी जोर - जोर से चिंघाड़ने लगा। हम सभी की नींद खुल गई। देखा तो हाथी नरेंद्र को सूंड से उठाकर पटक रहा था। हमने छुड़ाने की कोशिश की, तो हाथी ने नरेंद्र को घसीटा और पैर से कुचल दिया। उनकी मौत हो गई। हमने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को देर रात मॉर्चुरी भेज दिया।

पहले भी ये हाथी ले चुका है एक की जान

महावत के भांजे दीपक कपाड़िया ने बताया, मुझे रात 12 बजे फोन कर बताया गया कि मामा को हाथी ने पटक दिया है, लेकिन किसी ने मौत की जानकारी नहीं दी। मैं रात को ही गाड़ी से यहां पहुंचा, तब पता चला कि मामा की मौत हो गई है। दीपक ने बताया कि हाथी ने दो साल पहले भी एक युवक की जान ली थी। करीब एक साल पहले भोपाल में ही रात में एक युवक हाथी को केले खिलाने आया था, उस पर भी हमला किया था। उसे वन विभाग को सौंप देना चाहिए।

पीपुल्स फॉर एनिमल संस्था कर चुकी शिकायत

पीपुल्स फॉर एनिमल की भोपाल की संचालिका स्वाती गौरव ने बताया कि जिस मादा हाथी ने महावत को कुचला है, उसका नाम जानकी है। इसे हम पिछले 15 दिन से फॉलो कर रहे थे। इन्हें रिहायशी इलाकों में घूमाना भी उचित नहीं है। हम इसकी शिकायत डीएफओ सहित तमाम अधिकारियों से कर चुके थे। समय पर एक्शन होता तो घटना टल जाती।

संपादकीय

नीट में धांधली : जिम्मेदारी तय हो

देश भर के मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए होने वाली नीट यूजी नेशनल एंट्रेंस टेस्ट में धांधली के मामले में फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में में समस्या का तात्कालिक निदान किया है, लेकिन असली सवाल बाकी है कि इस प्रतिष्ठित परीक्षा में गड़बड़ियां क्यों हो रही है और इसके लिए कौन जिम्मेदार है? हालांकि कोर्ट ने परीक्षा रद्द करने की मांग को खारिज करते हुए कहा कि केवल कुछ छात्रों के लिए पेपर फिर से आयोजित होगा। ये वे छात्र हैं जिन्हें 'लॉस ऑफ टाइम' के कंपनसेशन के नाम पर ग्रेस मार्क्स दिए गए थे। इस तरह कुल 1563 कैंडिडेट्स के लिए परीक्षा फिर से आयोजित होगी। ये परीक्षा 23 जून को होगी। नतीजा 30 जून को आएगा। गौरतलब है कि मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश को लेकर होने वाली धांधली को रोकने की दृष्टि से 2015 से नीट परीक्षा की शुरूआत हुई। लेकिन हर साल इसमें कोई न कोई गड़बड़ी की शिकायत आती रही है। नीट परीक्षा में इस साल करीब 24 लाख छात्र बैठे थे। लेकिन परीक्षा का रिजल्ट आते ही विवादों की शुरूआत हो गई। इसका मुख्य कारण 67 परीक्षार्थियों की ऑल इंडिया रैंक वन आई थी। वन रैंक पाने वालों में भी 6 बच्चे एक ही परीक्षा केन्द्र के थे। दूसरा मामला ओएमआर आंसर शीट का था। एक आंसर शीट में एक उत्तर सही था तो दूसरे मामले में दूसरा सही था। इससे परीक्षार्थियों में कन्फ्यूजन फैला। इसे देखते नीट ने 1563 परीक्षार्थियों को ग्रेस मार्क्स देकर उन्हें पास किया। नतीजों में इस हेराफेरी के विरोध में नीट परीक्षार्थी और उनके अभिभावक सड़कों पर आ गए। इस बीच परीक्षा आयोजित करने वाली एनटीए ने खुद ही कमेटी बनाकर शिकायतों की जांच शुरू कर दी। इससे शिकायतकर्ताओं का गड़बड़ी का संदेह और गहरा गया। उधर जांच के बाद कमेटी ने सुझाव दिया कि ग्रेस मार्क्स पाने वाले 1563 कैंडिडेट्स के स्को रकार्ड निरस्त करें और इसके लिए दोबारा परीक्षा आयोजित की जाए। परीक्षा में इस गड़बड़ी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के अलावा देश के कई हाई कोर्टों में भी याचिकाएं दायर की गईं। अकेले सुप्रीम कोर्ट में तीन याचिकाएं लगी हैं। एक मामला नीट परीक्षा पेपर लीक होने का भी है, जिस पर 8 जुलाई को सुनवाई होनी है। देश भर के 20 हजार परीक्षार्थियों ने गड़बड़ी की शिकायत की है। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि एनटीए द्वारा 1563 छात्रों को ग्रेस मार्क्स देना गलत है तथा मौजूदा रिजल्ट के आधार पर ही नीट काउंसलिंग को रोका जाए। साथ ही समूची परीक्षा फिर से कराई जाए। ग्रेस मार्क्स के मुद्दे पर सुनवाई हुई है। वहीं पेपर लीक के आरोप की याचिका पर 8 जुलाई को सुनवाई होगी। इस मामले पर सुनवाई के दौरान केन्द्र सरकार ने कोर्ट मे कहा कि परीक्षा में ग्रेस मार्क्स प्राप्त 1563 परीक्षार्थियों की फिर से 23 जून को परीक्षा होगी। इसका रिजल्ट 30 जून को आएगा। जो छात्र फिर से परीक्षा नहीं देना चाहते, उनके ओरिजिनल मार्क्स के साथ रिजल्ट घोषित कर दिया जाएगा। इस बीच विपक्षी कांग्रेस ने इस मुद्दे को उठाते हुए आरोप लगाया कि एनटीए भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुका है। नीट परीक्षा में भारी धांधली हुई है। सरकार इस मामले में तत्काल कड़ी कार्रवाई कर बच्चों के भविष्य को बिगड़ने से बचाए। इसके बाद केन्द्रीय शिक्षा मंत्री शैलेन्द्र ने सफाई दी कि नीट में पेपर लीक के कोई सबूत नहीं हैं। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हम पालन करेंगे। असली मुद्दा यह है कि ऐसी परीक्षाओं की पवित्रता व गोपनीयता कायम क्यों नहीं रह पाती। क्या ऐसी संस्थाओं में भ्रष्ट लोग बिठाए गए हैं या फिर अयोग्य? देश को इन सवालों का जवाब चाहिए।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। वर्तमान केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

समिट फॉर फ्यूचर के रूप में एक चुनौती

दुनिया विविधता से भारी हुई है। कैमरून के पूर्व प्रधानमंत्री फ़िलेमॉन यंग की अब यूएनजीए की नई यात्रा शुरू हुई है। संयुक्त राष्ट्र महासभा-यूएनजीए एक ऐसा मंच है जहाँ विश्व इकट्ठा होता है अपना कुछ कहने के लिए और दूसरों का सुनने के लिए। यह एक ऐसा मंच है जहाँ बहुत से देशों के राष्ट्राध्यक्ष आकर कुछ सुना भी जाते हैं जिसका असर विश्व की राजनीति पर पड़ता है। देशों के भीतर खटास भी इस मंच से परोस दिए जाते हैं और मिठास भी।

जैसा कि विश्व का स्वाभाव पिछले कई वर्षों में चेंज हुआ है। बहुत से देश या तो आर्थिक रूप से बहुत लाचार स्थिति में हैं। कुछ देश बहुत उत्कृष्ट हैं आर्थिक स्थिति में हैं लेकिन उनमें अपनी समृद्धि पच नहीं रही है। कई देश पागल दौड़ में सम्मिलित हैं और इस दौड़ में वे अपने पड़ोसी देशों के साथ युद्धरत हैं। यूएनजीए के लिए इन सबका स्वागत करना उसका स्वाभाव है। सबकी सुननी है। सबके दुःख, सबके अहंकार और सबके भ्रम सुनने के लिए बना यूएनजीए तटस्थ भाव से स्थिर है। विभिन्न परिस्थितियों को जानते समझते हुए भी उसे लोगों की बात सुननी है और उसके निराकरण के लिए प्रयास भी करना है। जो सीधे मसले हल नहीं हो सकते उसके लिए मध्यम मार्ग भी खोजने हैं। यूएनजीए इसलिए एक महान स्थान है जहाँ सब अपनी-अपनी कह-सुन सकते हैं।

ये कहने-सुनने और सुनाने वाले बस एक चीज नहीं चाहते कि वे यूएनजीए व संयुक्त राष्ट्र के लिए खुले दिल से चंदा भी देना चाहिए। हर वर्ष संयुक्त राष्ट्र के महासचिव वैश्विक मानवीय बिरादरी और राज्यों से पहल करते हैं कि संयुक्त राष्ट्र के लिए दानकर्ता आर्थिक सहयोग के लिए आगे आयें और राष्ट्र सुनकर रह जाते हैं। जबकि सभी देश यह जानते हैं कि मानवीय सहायता के लिए संयुक्त राष्ट्र वैश्विक स्तर पर काम कर रहा है और इसमें कार्य कर रहे कर्मचारियों के भी बुनियादी ज़रूरतों का ख्याल रखा जाना चाहिए। एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2023 के अन्त तक, यूएन ने यूक्रेन को मौजूदा स्थिति से उबारने और विकास के लिए 1।1 अरब डॉलर का निवेश किया है, और इस वर्ष के अन्त तक 1 अरब डॉलर का अतिरिक्त निवेश किए जाने की सम्भावना है। अब सोचिये कि यदि पैसे देने में कोताही होगी तो संयुक्त राष्ट्र मदद क्या करेगा और कैसे इस महामिशन में लगे लोगों को आर्थिक रूप से इनके भरण पोषण की व्यवस्था करेगा? कैसे मुआवजा के लिए व्यवस्था हो पाएगी? मार्च 2023 अफ्रीकी देशों में शैक्षणिक स्थितियों पर विवेचन हुआ तो यूनेस्को ने कहा धन की सबसे बड़ी क़िल्लत सब-सहारा अफ्रीका क्षेत्र में है, जोकि 70 अरब डॉलर प्रतिवर्ष है। इस क्षेत्र में बहुत लम्बी यात्राएँ करनी पड़ती हैं, जिसके कारण प्राइमरी स्कूल की उम्र के लगभग 20 प्रतिशत बच्चे और ऊपरी सैकंडरी स्कूल आयु के लगभग 60 प्रतिशत बच्चे स्कूलों में नहीं हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक संयुक्त राष्ट्र के शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन-यूनेस्को की 'वैश्विक शिक्षा निगरानी'-जीईएम नामक यह रिपोर्ट का अवलोकन करें उसमें कहा गया था कि अगर 97 अरब डॉलर की अतिरिक्त धनराशि नहीं उपलब्ध कराई गई तो बहुत से देश, 2030 के राष्ट्रीय शैक्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति में नाकाम हो जाएंगे। रिपोर्ट में वित्त की तत्काल समीक्षा किए जाने का भी आहवान किया गया है। यह बुनियादी और ज़रूरी समीक्षाएं संयुक्त राष्ट्र करवाना चाहता था लेकिन उस पर कोई कारगर उपाय नहीं निकला। कोविड महामारी के बाद देशों के भीतर अपनी बदहाली के हज़ार किस्से हैं। दान देना कितना कठिन है, यह देश जानते हैं। बस कहने के लिए तैयार नहीं होते। शिक्षा तो बहुत ही बुनियादी आवश्यकता है। एक बार भी युद्ध के लिए हथियार की भारी खरीदी करते देश यह नहीं सोचते कि हमारे धन युद्ध की जगह शिक्षा हेतु खर्च हों। युद्ध के लिए निवेश करते देश अमानवीय होते जा रहे हैं। समस्या यह है कि इन देशों के राष्ट्राध्यक्ष जब यूएनजीए पहुंचते हैं तो कदाचित यह नहीं सोचते कि वे युद्ध के लिए निवेश करने में अधिक रूचि लेते रहे हैं और यूएनजीए पहुंचकर डींगे मार रहे हैं। विश्व में यह मानवीय सोच का स्तर हो गया है। कैमरून के प्रधान मंत्री अब जब नए दायित्व के साथ संयुक्त राष्ट्र के अध्यक्ष रूप में सुशोभित होने जा रहे हैं तो उनके लिए अपनी इस यात्रा में दानदाताओं की सोच का निवेश पहले ठीक करना होगा क्योंकि यदि वे अच्छा सोचेंगे तो ही वे आर्थिक निवेश भी सही दिशा में करेंगे। कुछ अधिक मानवीय होने और मानवता के लिए करने में रूचि लेंगे।

यूएनजीए बहुपक्षीय बहस का मंच है। यहाँ सकारात्मकता की बयार ही ठीक बहे तो विश्व का कल्याण हो। विश्व के कल्याण के लिए तो कई ऐसे मसले हैं जो विश्वव्यापी चुनौती बने हुए हैं। कुपोषण, गरीबी, भुखमरी, प्रवासी जीवन, शरणार्थी जीवन, युद्ध, एसडीजी-2020 की चुनौतियाँ और अब तो क्लाइमेट चेंज सिर चढ़कर चिल्ला रहा है, बोल नहीं रहा है। जलवायु परिवर्तन से गर्म होती पृथ्वी और एक अलग ही चुनौती के लिए धकेलती आज की आबादी की सोच की चुनौती बहुत बड़ा संकट है। ये सार्वभौमिक समस्याएं हैं जिस पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में व्यापक बहस और निदान की मांग है। यदि इन मुद्दों से आँख चुराते देश इस नई महासभा में अपनी-अपनी कहा सुनी करके निकल लिए तो निःसंदेह उनकी आँखमिचौली केवल दुनिया के लिए कष्ट का कारण बनने वाली है। इसलिए कमरून के प्रधान मंत्री जो कि अपने व्यापक अनुभव के लिए जाने जाते हैं उनसे विश्व की मानवाधिकारवादी और मानवतावादी बिरादरी अपनी नई यात्रा में इन मुद्दों और चुनौतियों पर ज्यादा फोकश करने की आकांक्षा रखती है और यह आग्रह भी कर रही है कि सबसे बेस्ट जो हो सकता है वह उनके कार्यकाल में निकलकर सामने आये और विश्व का कल्याण हो।

आने वाले समय में एक ख़ास आयोजन भी संयुक्त राष्ट्र में फ़िलेमॉन यंग के ही कार्यकाल में हो रहा है-समिट फॉर फ्यूचर। इस समिट की बहुत चर्चा है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में भविष्य के कार्रवाई दिवसों का शिखर सम्मेलन बुला रहे हैं। सदस्य राज्यों, नागरिक समाज, निजी क्षेत्र, शिक्षा जगत, स्थानीय और क्षेत्रीय अधिकारियों, रचनात्मक समुदायों, युवाओं और कई अन्य प्रतिनिधियों को एक साथ लाकर सभी हितधारकों के भविष्य के लिए समझौते को आकार देने की यह बड़ी कोशिश है। सबकी भागीदारी, योगदान और उत्प्रेरणा समिट फॉर फ्यूचर से गतिशीलता की खोज करेंगे। सब मिलाकर फ़िलेमॉन यंग यूएनजीए की 79वीं महासभा के साथ जो विश्व के लिए पर्याप्त कर सकते हैं, उसके उत्प्रेरक बनने जा रहे हैं। कैमरून की अपनी सांस्कृतिक विरासत से मल्टीलैटरल कल्चर की ओर बढ़ती फ़िलेमॉन यंग की यह विशेष यात्रा क्या कुछ दे जाती है, यह तो आने वाला वक्त तय करेगा लेकिन दुनिया की निगाहें उनके विशिष्ट अनुभवों और कार्यशैली से यह उम्मीद करती है कि वे विश्व के समस्त देशों से उनके दान देने की श्रेष्ठ रूचि को वे बढ़ा सकेंगे। वे विश्व के उन मुद्दों को बहस के केंद्र में रखेंगे जिनसे सबका उद्धार होना है। व्यापक स्तर पर साझेदारी और सहयोग की भावना यदि देखने को मिलती है तो निःसंदेह फ़िलेमॉन यंग की यह नई यात्रा विश्व को नई सामर्थ्य दे जाएगी। पृथ्वी के सभी लोगों की ओर से फ़िलेमॉन यंग का अभिनन्दन और शुभकामनाएं क्योंकि वह एक ऐसी महासभा के सहयोग के लिए अपनी यात्रा शुरू कर रहे हैं जहाँ से मूक लोगों को भी सहयोग होगा और वाचाल लोगों की महत्वाकांक्षाओं पर अंकुश भी लगेगा।

राजनीति

रमेश कुमार 'रिपु'

लेखक स्तंभकार हैं।

नए साथी करेंगे फेवर या दिखाएंगे तेवर

सरकार वही। चेहरे वही। मोहरे वही। पासे भी वही हैं। सिर्फ कुछ साथी नए हैं। अब बीजेपी की नहीं, एनडीए की सरकार है। सरकार का नाम बदला है। मजबूरी है। विवशता है। क्यों कि सबको साथ लेकर चलना है। सरकार बनाने में साथ देने वाले साथियों के दम पर मोदी सियासी पहाड़ चढ़ने का मन बनाए हैं। सौ दिन के सियासी एजेंडे का खाका भी खींच लिये हैं। सरकार चल पड़ी है। प्रधानमंत्री मोदी ने इसका संकेत दे दिया है। किसानों को सौगात दी। पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी की। 9.3 करोड़ किसानों को लाभ होगा और करीब बीस हजार करोड़ रुपए बांटे जाएंगे। आवास योजना के तहत 3 करोड़ ग्रामीण और शहरी घरों के निर्माण किये जाएंगे।अभी तक दस वर्षो में कुल 4.21 करोड़ घर बनाये गए हैं। चुनाव में बेरोजगारी मुद्दा छाया रहा। इसलिए रोजगार पर खास ध्यान रहेगा।

मगर राजनीति के कुछ बुनियादी सवाल हैं। जो 18 जून को सांसदों के शपथ के बाद 20 जून को होने वाले स्पीकर चुनाव में विपक्ष के साथ देश की नज़र है। क्यों कि प्रधान मंत्री मोदी इस बार नए अवतार में हैं। होना भी चाहिए। नए सोच के साथ खड़े हैं । उन्हें सबका साथ चाहिए। और सबका विकास करना है। मोदी के लिए 140 करोड़ लोग परमात्मा का स्वरूप हो सकते हैं। लेकिन, जिन्हें लेकर सियासी पहाड़ चढ़ना है। दूर तक चलना है। क्या वो बीस जून को चलते-चलते ठहर कर नहीं कहेंगे, कि स्पीकर तो हमारा होगा? आप ने बीजेपी सांसदों को गृह मंत्रालाय,वित्त मंत्रालय,रक्षा मंत्रालय,कृषि विभाग,परिवहन मंत्रालय दे दिया। कोई बात नहीं। सभी बड़े और सम्मानीय विभाग बांट लिये। फिर भी हम कुछ नहीं बोले। लेकिन स्पीकर भी आप की ही पार्टी का हो, ऐसा नहीं चलेगा। सियासत की ढाई चाल सिर्फ आप ही नहीं, हम भी चलना जानते हैं। राजनीतिक सीन में इंडिया गठबंधन है ही साथ, अब एनडीए के घटक दलों में नीतीश और चन्द्रबाबू नायडू भी है। इन्हें एनडीए सरकार की फिल्म में मेहमान कलाकार नहीं कह सकते। असली खेला होना बकाया है।

राजनीति में कुछ सवाल ऐसे हैं,जिन्हें नज़र अंदाज नहीं किया जा सकता। उनमें से एक सवाल यह है,कि बीस जून को यदि टीडीपी नेता चन्द्र बाबू नायडू अड़ गए कि स्पीकर हमारी पार्टी से होगा, नीतीश भी यही चाहते हैं। डीटीपी ने स्पीकर का अपना उम्मीदवार उतार दिया, चुनाव करा लेते हैं। ऐसे में टीडीपी के पीछे पूरा इंडिया गठबंधन खड़ा दिखे तो कोई आश्चर्य नहीं। जदयू भी साथ हो तो हैरानी नहीं। ऐसे में बीजेपी का स्पीकर उम्मीदवार चुनाव हार गया तो पूरी एनडीए सरकार एक पल में ताश के पत्ते के महल की तरह ढह जाएगी। चन्द्र बाबू नायडू और नीतिश कुमार दोनों मोदी और अमितशाह के खेल से वाकिफ हैं। दोनों की बिसात को भी जानते हैं। यदि बीजेपी का स्पीकर हुआ तो बीजेपी को 240 से 272 होने में कोई ताकत नहीं है, जो रोक सके। सारा खेल छह माह के भीतर हो जाएगा। उनके पास हाथ मलने के सिवा कुछ नहीं बचेगा। सवाल यह भी है,कि चन्द्र बाबू नायडू क्या आन्ध्र प्रदेश को विशेष दर्जा दिये जाने की शर्त पर स्पीकर पद से पीछे हट जाएंगे। और हट गए तो इसकी क्या गारंटी है,कि उनकी पार्टी के सांसद टूट कर बीजेपी में शामिल नहीं होंगे। मोदी की गारंटी जनता को मिले या न मिले, मगर बीजेपी को बहुमत मिलने की पूरी संभावना है।

जब किसी पार्टी की सरकार बनती है,तो वैसे भी छोटे- मोटे दल सरकार के साथ बगैर न्यौता दिये मिल जाते हैं। छोटे-छोटे राज्यों के गैर बीजेपी के सांसद मिल ही जाएंगे। वो बाहर से सरकार को समर्थन देने में पीछे नहीं हटेंगे। वो चाहे केन्द्र में एनडीए की सरकार हो या फिर इंडिया गठबंधन की। बीजेपी का स्पीकर होने पर सभी को अपनी पार्टी टूटने का डर है। और कोई ऐसे वक्त का इंतजार नहीं करना चाहता।

मंत्रिमंडल के गठन के बाद विभाग बंटवारे को लेकर नाराजगी एनडीए में देखी जा रही है। जाहिर है,बात खुश करने की है। अखिलेश यादव वैसे कह ही चुके हैं,कि यदि किसी को खुश करने से सरकार बनती है,तो हमें खुश करने में कोई दिक्कत नहीं है। जिसे जो विभाग चाहिए ले ले। शरद पवार वक्त का इंतजार कर रहे हैं। वो एनडीए सरकार के गिरने की राह देख रहे हैं। सभी को वक्त का इंतजार है। एक नाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना के पास सात सांसद है। जिसे प्रधानमंत्री मोदी असली शिवसेना कहते हैं। लेकिन उनकी पार्टी से केवल एक व्यक्ति को मंत्री बनाया गया। जबकि जतिन राम माझी अपनी पार्टी के अकेले सांसद हैं,उन्हें कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। प्रफुल्ल पटेल पिछली बार कैबिनेट मंत्री थे,इस बार उन्हें राज्य मंत्री बनाए जाने का आफर था। अजीत पवार ने कहा, सरकार चलाने का अनुभव हमारे पास है। हमें फुसलाने की कोशिश न करें। ऐसे नहीं चलेगा। लल्लन सिंह को पशुपालन विभाग मिला है। जबकि इन्हें कोई बड़ा विभाग मिलने की उम्मीद थी। जाहिर सी बात है, कि इनका सियासी अपमान किया गया है। उद्धव ठाकरे कह रहे हैं, पी.एम. के रूप में मोदी पसंद नहीं हैं। नीतिन गडकरी हों तो विचार करेंगे। यानी गुजरात मानुस और मराठा मानुस में टकराहट वाली बात है।

दिल्ली अपने अनुरूप यू.पी. में राजनीति करना चाहती है। योगी को हटाना चाहती है। योगी राजनाथ, नीतिन गडकरी,और जेपी नड्डा से भी मिले।25 टिकट अमित शाह ने दिये और सीट नहीं आई तो योगी आदित्यनाथ का इसमें क्या दोष? जबकि महाराष्ट्र बीजेपी के हाथ से निकल गया है। बीजेपी सरकार के अल्पमत होने पर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मोदी पर निशाना साधा। जिस विचार धारा के पालने में बीजेपी पली, वही अब संघ को आंखें दिखाए,ऐसा नहीं चलेगा। मोहन भागवत ने दो टूक कह दिया। मणिपुर में पिछले कई माह से अशांति का वातावरण है। मगर उसे हल करने कोशिश नहीं की गयी। इसे प्राथमिकता में रखते हुए शांति बहाली का प्रयास किया जाना चाहिए। इस मामले में विपक्ष संसद में भी पूछता रहा, कि प्रधान मंत्री मणिपुर पर खामोश क्यों हैं? एक वर्ष से भी अधिक समय बीत गया, मगर मणिपुर में हिंसा कायम है। कुकी और मैतेई समुदाय के बीच संघर्ष चल रहा है।

नीतीश चाहते हैं जब महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड के चुनाव की घोंषणा हो तो बिहार का भी। वो जानते हैं,अब वोट बीजेपी में स्थानांतरित नहीं हो रहा है बिहार में। पिछले विधान सभा में भी यही हुआ था। विधान सभा चुनाव हो जाने पर वो स्वतंत्र हो जाएंगे। जबकि बिहार में चुनाव अगले साल होना है। नीतीश के मन का नहीं होने पर नाराजगी का ठिकरा भी फूटेगा। वैसे जेडीयू अपनी नाराजगी का संकेत देना शुरू कर दिया है। जेडीयू के प्रवक्ता के. सी. त्यागी ने अग्निवीर और यूनिफार्म सिविल कोड पर सवाल उठा दिए हैं। त्यागी ने साफ- साफ कहा,कि अग्निवीर योजना को लेकर लोगों में नाराजगी है।हमारी पार्टी इस पर विस्तार से चर्चा चाहती है।

दृष्टिकोण

प्रियंका सौरभ

चिंता का कारण है पेपर लीक होना

प्रश्नपत्र लीक की लगातार घटनाएं भारत की शिक्षा प्रणाली में एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय बन गई हैं। उदाहरण के लिए, अकेले प्रश्नपत्र लीक के 70 से अधिक मामले 2023 में सामने आए, जिससे बीसीएस, मेडिकल प्रवेश परीक्षा और राज्य भर्ती परीक्षाओं सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएं प्रभावित हुई । इन लीक ने छात्रों में अत्यधिक तनाव और चिंता पैदा कर दी है , जिससे उनकी तैयारी और आत्मविश्वास का स्तर बाधित हुआ है। प्रश्नपत्र लीक होने में मैनुअल हैंडलिंग और सुरक्षा चूक प्रमुख कारण है। प्रश्नपत्रों की छपाई और वितरण की पारंपरिक विधि में कई टचपॉइंट शामिल होते हैं, जहां सुरक्षा से समझौता किया जा सकता है। उदाहरण के लिए- 2020 में, मैनुअल हैंडलिंग गलती के कारण बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं के दौरान एक महत्वपूर्ण गलती हुई। संगठित अपराध में संलिप्तता से आपराधिक गिरोह परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों का लाभ बढ़ते आर्थिक लाभ कमाते हैं। उदाहरण के लिए- राजस्थान में, कई परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया गया, जिससे करोड़ों का अवैध राजस्व अर्जित हुआ।

सुरक्षित प्रश्नपत्र प्रबंधन और वितरण के लिए ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का उपयोग करना फायदेमंद हो सकता है। उदाहरण के लिए- एडुब्लॉक प्रोब्लॉक का उपयोग करके यह सुनिश्चित करता है कि प्रश्नपत्र सुरक्षित रूप से चिपका हुआ हो और केवल परीक्षा केंद्र पर ही डिक्रिप्ट किया गया हो , जिससे लीक होने का जोखिम काफी कम हो जाता है। सख्त कानूनी ढांचा लीक में शामिल व्यक्तियों और अंगों के लिए कठोर दंड लागू कर सकता है। उदाहरण के लिए- सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित मौतों की रोकथाम) टिप , 2024, कारावास और भारी जुर्माने सहित कठोर दंड का प्रस्ताव करता है। परीक्षा कर्मचारियों के लिए नियमित प्रशिक्षण और सख्त जवाबदेही भी एक उपाय हो सकता है। उदाहरण के लिए- खतरे का पता लगाना और उन्हें रोकने के लिए नियमित ऑडिट करना और निगरानी प्रणाली लागू करना। प्रश्नपत्र लीक का छात्रों पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव पर पड़ता है।इससे छात्रों में तनाव और चिंता में वृद्धि होती है।

प्रश्नपत्र लीक होने से उत्पन्न असुविधा और अनियमितता छात्रों में तनाव और चिंता को काफी हद तक बढ़ा देती है, जिससे उनका मानसिक कल्याण और परीक्षा प्रदर्शन प्रभावित होता है। जिन छात्रों ने कड़ी मेहनत की है, उन्हें लग सकता है कि उनकी उपलब्धियों को कम आंका गया है, जिससे शिक्षा प्रणाली और उनकी अपनी क्षमता में आत्मविश्वास की कमी हो सकती है। पेपर लीक की बार-बार होने वाली घटनाएं छात्रों को हक़ कर सकती हैं, जिससे उन्हें अपने भविष्य की संभावनाओं और योग्यता-आधारित सफलता के मूल्य के बारे में मोहभंग होने लगता है।बिहार में राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षाओं के कई लीक के बाद, कई छात्र निराश महसूस करने लगे और शिक्षा प्रणाली की निष्पक्षता में विश्वास खो दिया। छात्रों की शैक्षणिक योजनाएं परीक्षा में बैठने की आवश्यकता से बाधित होती हैं , जिससे अतिरिक्त तनाव और तार्किक प्रतिभा पैदा होती है। प्रश्न-पत्र लीक होने सेकण्डरी विश्वास और परीक्षा में विश्वास की हानि होती है, जिससे छात्रों और सेवाओं में अविश्वास पैदा होता है।

चूंकि प्रश्नपत्र लीक होने की समस्या अनियंत्रित होती जा रही है, इसलिए केंद्र समेत विभिन्न राज्यों की सरकारों का यह प्रथम एवं सर्वोच्च दायित्व होना चाहिए कि वे प्रश्नपत्र लीक होने के प्रकरणों की पुनरावृत्ति न होने दें और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। इसके साथ ही उन्हें प्राथमिकता के आधार पर ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए, जिससे प्रश्नपत्र लीक होने की कोई गुंजाइश ही न रहे। समझना कठिन है कि सूचना तकनीक के इस युग में ऐसी व्यवस्था बनाना कठिन क्यों है? यह दुर्भाग्य की बात है कि शिक्षा क्षेत्र की कई समस्याओं के समाधान की कोई राह नहीं दिख रही है। इन्हीं में से एक है प्रश्नपत्र लीक होने की समस्या। शायद ही कोई ऐसा राज्य हो, जहां किसी न किसी प्रतियोगी या नियमित परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने का मामला सुर्खियों में न रहता हो।

इस मुद्दे को सुलझाने के लिए एक उत्कृष्ट दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें बेहतर सुरक्षा प्रोटोकॉल, प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना, सख्त कानूनी उपाय और प्रभावित छात्रों के लिए व्यापक समर्थन शामिल है। इन उपायों को लागू करके, हम परीक्षा प्रणाली में विश्वास बहाल कर सकते हैं और सभी छात्रों के लिए एक निष्पक्ष और उचित प्रक्रिया सुनिश्चित कर सकते हैं।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

केदार शर्मा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

आओ प्रदूषण दिवस मनाएँ !

पर्यावरण दिवस के मौके पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा था। डी.जे. पर पर्यावरण के गीत बज रहे थे। नत्थूक ने विद्यालय प्रांगण में लगभग दो सौ पौधे लगाए थे।

इस अवसर पर ज्योंही पुरस्कारदेने की घोषणा हुई तो सभास्थल पर खलबली मच गयी। छदामी जी ने फिर माइक हाथ में ले लिया था। वैसे छदामीजी की आवाज कोई माइक से कम नहीं थेपर माइक की संगत मिलते ही श्रोताओं के पास कानों के हाथ लगाने के अलावा कोई चारा नहीं बचता था।और तेज आवाज में दहाड़े-'भाइयों यह पुरस्कार नत्थू को ही क्यों ? माना कि नत्थू नर्सरी से पौधे खरीदकर लाया था पर उन पौधों को पानी तो हमने भी कई बार पिलाया था।' बदामीजी ने कहा-'पौधों की जड़ों में कई बार खाद हमने ही रमाया था। दुधारीजी कहाँ पीछे रहने वाले थे- महोदय,यह मत भूलो कि इन पौधों को खाने के लिए बकरियाँ अन्दर घुस आई थी उनको हमने ही बाहर भगाया था।'

छीना-झपटी और अफरा-तफरी को भाँपकर टेंट और माइक वाला आगे आया-'तुम्हारी इस लड़ाई में कहीं मेरे पैसे नहीं डूब जाएँ, पहले मेरा हिसाब कर दो।' आवाज सुनकर हलवाई भागकर आया-'मैंने यह जो सब्जी-पूड़ी और लड्डू जो बनाएं हैं इनका क्या होगा ? मेरा भुगतान कौन करेगा ? मुख्य अतिथि सबको समझाने में लगे थे-'अरे भाइयों मैं तो पहली बार ही मुख्य अतिथि बना हूं,सिर मुंडाए देर नहीं हुई और आपने बेमौसम ओलों की बौछार भी शुरू कर दी। कार्यक्रम का मुहुर्त नहीं निकलवाया था क्याछ।

बिना मिठाई के भले ही कोई महाभोज सम्पन्न हो जाए पर बिना गाली गलौच के कोई लड़ाई पूरी नहीं हो सकती।सो पर्यावरण दिवस के इस आयोजन का क्रियाकर्म जारी था और गाली गलौच के रास्ते से होकर जूतमपैजार की ओर बढ़ रहा था। आखिरकार मुख्य अतिथि महोदय ने माइक हाथ में लेकर घोषणा की- भाइयों, आप लोग शांत हो जाएं । रही बात भुगतान की तो,आज के खर्चे का भुगतान करने के लिए मैं तैयार हूं बशर्ते आप सब लोग शांत रहें।

अब तक शांत रहकरआरोप सुनने वाले मंच संचालक महोदय के होठ फड़कने लगे थे,भीतर जबान बेलगाम हो चुकी थी। इस बामाइक की जा रही इस लड़ाई को पूरा हालाकि मौहल्ला सुन रहा था,दरअसल मंच संचालक महोदय माइक गुस्से ही गुस्से में बंद करना भूल गये थे। एक वृद्ध अचानक उस कार्यक्रम में आए। मंच पर आने की अनुमति माँगी और माइक बंद कर बिना माईक बोलने लगे- 'भाइयो, इस आयोजन स्थल के दूसरी ओर मेरा घर है। मेरी पत्नी कई दिनों से बीमार है, इस माइक पर हो रही लड़ाई से उसे बैचेनी होने लगी थी,इसलिए मुझे आना पड़ा है।' सभा में शातिं छा गयी थी।

उन्होंने बोलना जारी रखा --'मैं आप सबको सुझाव देता हूं कि नत्थू को कोई पुरस्कार नहीं दिया जाए। किसी को कोई पुरस्कार नहीं दिया जाए,न छदामीजी को न ही दुधारीजी को।कार्य अपने आप में स्वयं पुरस्कार है। पौधे लगाने का, पानी पिलाने का, रखवाली करने का सबका पुरस्कार प्रकृति बिना मांगे अपने ढंग से देगी। यह पुरस्कार की लड़ाई समाप्त हुई।'

आज के इस कार्यक्रम में हुई इस लड़ाई में जिसने सबसे बढ़िया प्रदर्शन (वाकयुद्ध और गालीगलौच के साथ) किया उसे पुरस्कार में नकद राशि मेरी ओर से दिए जाने की मैं घोषणा करता हूँ। अब कौन प्रथम रहा इसका निर्णय मैं आप सब पर छोड़ता हूँ। मुझे बता दीजिएगा। इस आयोजन का पर्यावरण तो आप लोगों ने बेमुलाहिजा,बेकायदा बिगाड़ ही दिया है तो क्यों नहीं आप सब इसे और बिगाड़ने के सूत्र दोहरा लें जैसे-शादियों और खुशी के मौकों पर हम डी.जे.के वोल्यूम को अधिकतम खोलकर ही संगीत का आंनन्द लेंगे। मानव तन वैसे भी नश्ववर है सो कान स्वस्थ रखकर कौनसा तीर मार लेंगे। अपने क्रोध को धारदार बनाने के लिए भरपूर विशिष्ट गालियों का प्रयोग करेंगे औरों को भी ऐसा करने से नहीं रोकेंगे।हम अगले पर्यावरण दिवस को इसी तरह प्रदूषण दिवस में बदल डालेंगे,भाषण देंगे।नारे लगाएँगे,वृक्षारोपण के, वीडियों,रील्स,मीम्स नियमित रूप से साल भर शेयर करेंगे।अपने सीवेज का पानी छोटे तालाबों गड्डो और सूखे कुए और नदियों की ओर मोड़ देंगे। और भी जो आपको जो उचित लगे वह आप जोड़ सकते हैं। आप खुद समझदार हैं।

अरे,अरे! यह क्या कर रहे हैं आप लोग! शर्मिंदा होने की क्या बात है! ये आप भला माफी क्यों मांग रहे हैं?

विश्व रक्तदाता दिवस

चेतनादित्य आलोक

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार एवं राजनीतिक विश्लेषक।

रक्तदान करना प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति के लिए उपयोगी, जरूरी एवं लाभकारी

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 1997 में 100 प्रतिशत स्वैच्छिक रक्तदान की नीति बनाई और यह लक्ष्य निर्धारित किया था कि विश्व के प्रमुख 124 देशों में स्वैच्छिक रक्तदान को समर्थन और बढ़ावा दिया जाएगा। तब से ही लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने एवं रक्तदाताओं केप्रति आभार प्रकट करने के लिए दुनिया भर में प्रति वर्ष 14 जून को 'विश्व रक्तदाता दिवस' मनाया जाता है। स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने के पीछे डब्ल्यूएचओ का उद्देश्य यह था कि आपात स्थितियों में जरूरतमंद व्यक्तियों को बिना भुगतान किए तथा आसानी से रक्त की आपूर्ति करना संभव हो सके, ताकि खून की कमी के कारण किसी व्यक्ति की जान न जाए। देखा जाए तो मानवीय दृष्टिकोण से विश्व स्वास्थ्य संगठन का यह कदम बेहद सराहनीय था, किंतु दुर्भाग्य से इस पवित्र अभियान के साथ आज तक लगभग 49 देश ही जुड़ पाए हैं। बहरहाल, खुशी की बात यह है कि नेपाल एवं तंजानिया जैसे छोटे एवं सीमित संसाधनों वाले देशों में कुल जरूरत का लगभग 90 एवं 80 प्रतिशत रक्त स्वैच्छिक रक्तदान से ही पूरा होता है। वहीं, थाईलैंड एवं इंडोनेशिया जैसे छोटेसे देशों में क्रमशः 95 फीसदी एवं 77 फीसदीरक्तकी व्यवस्था स्वैच्छिक रक्तदान के द्वारा की जाती है। इनके अलावा श्रीलंका में 60 प्रतिशत, तथा निरंकुश शासन के लिए चर्चित बर्मा में भी कुल जरूरत का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा स्वैच्छिक रक्तदान से ही पूरा होता है।

ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील तथा कुछ अन्य देशों में भी लगभग यही सिथति है, जबकि डब्ल्यूएचओ के मानक के अनुरूप भारत मेंसाल भर के लिए आवश्यक एक करोड़ यूनिट रक्त स्वैच्छिक रक्तदान के द्वारा हम नहीं जूटा पाते हैं। आंकड़ों के अनुसार देश में लगभग 25 लाख यूनिट रक्त के अभाव में प्रत्येक वर्ष हजारों लोग अपनी जान गवां देते हैं। राजधानी दिल्ली में ही हर साल 350 लाख रक्त यूनिट की आवश्यकता पड़ती है, जबकि स्वैच्छिक रक्तदान के द्वारा इसका महज 32प्रतिशतहिस्सा ही जुट पाता है। बता दें कि दिल्ली में लगभग 53 ब्लड बैंक होने के बावजूदवहां एक लाख यूनिट रक्त की कमी है। जरा सोचिए कि जब देश की राजधानी दिल्ली का ये हाल है तो शेष भारत विशेष कर छोटे शहरों और गांवों की स्थिति क्या होगी। बहरहाल, देश भर के रक्त कोषों (ब्लड बैंकों) में रक्त के अभाव का यह मामला बेहद चिंताजनक है औरइसका प्रमुख कारण रक्तदान के प्रति जन-जागरूकता का अभाव है। अन्यथा कोई कारण नहीं है कि लगभग एक अरब चालीस करोड़ की जनसंख्या वाले हमारे देश में रक्तदाताओं का आंकड़ा आज तक कुल आबादी का एक प्रतिशत भी नहीं हो पाया है।देखा जाए तो भारत में लगभग छह वर्ष पहले नरेंद्र मोदी सरकार ने रक्तदान से संबंधित कुछ नियम और शर्तें निर्धारित किए थे, जिनमें पहली बार रक्तदान के लिए न्यूनतम उम्र सीमा 17 से बढ़ाकर 18 वर्ष एवं अधिकतम आयु सीमा 65 वर्ष तय की गई थी।

नए नियमों के अंतर्गत जेल में बंद व्यक्ति अब रक्तदान नहीं कर सकेगा। वहीं, पुरुषों के लिए 90 दिन बाद दोबारा रक्तदान करने का नियम बनाया गयाहै, जबकि पहले यह अवधि चार महीने यानी 120 दिनकी थी। नए नियम के अनुसार जिस व्यक्ति का हीमोग्लोबिन 12.5 से ज्यादा होगा, वहीरक्तदान कर सकेगा। साथ ही ट्रांसजेंडर, होमोसेक्सुअल एवं फीमेल सेक्स वर्कर्स आदि बिना पूर्व चिकीत्सकीय जांच के अब रक्तदान नहीं कर सकेंगे।इसी प्रकार रक्तदान करने के इच्छुक महिलाओं के लिए भी व्यापक नियम एवं शर्तें निर्धारित की गई हैं यथा- गर्भावस्था, माहवारी एवं स्तनपान के समय रक्तदानकरने के नियम स्पष्ट किए गए हैं। इनके अतिरिक्त कोई भी विदेशी नागरिक भारत में केवल तभी रक्तदान कर सकता है, जब अन्य मापदण्डों पर खरे उतरने के साथ-साथ वह तीन साल से यहां रह रहा हो।गौर करें तो रक्तदान को लेकर हमारे देश में कई प्रकार की भ्रांतियां भी व्याप्त हैं, जो देश में रक्त की कमी का एक बहुत बड़ा कारण हैं। इन भ्रांतियों में रक्तदान करने से शरीर का कमजोर होना,शरीर में रक्त की कमी होनाऔर उस रक्त की भरपाई होने में महीनों लग जाना, रक्तदान के समय

एचआईवी या अन्य प्रकार के संक्रमण का शिकार होना, रोगप्रतिरोधक क्षमता का कम हो जाना और शीघ्र ही बीमारियों से ग्रस्त हो जाना तथा रक्तदान के चक्कर में पूरा दिन बर्बाद होना आदिप्रमुख रूप से शामिल हैं, जबकि वास्तव में ये भ्रांतियां ही हैं और इनमें लेश मात्र भी सच्चाई नहीं है।

विशेषज्ञों के अनुसार रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित होता है और यह बिल्कुल गलत धारणा है कि रक्तदान करने से शरीर में कमजोरी आती है या रक्त की कमी हो जाती है। वास्तव में ऐसा कुछ भी नहीं होता और न ही रक्तदान करने से एचआइवी या किसी प्रकार का संक्रमण होता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि रक्तदान करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए नए रक्तदान कीट का इस्तेमाल होता है, जिसमें सुइयां और बैग्स शामिल होते हैं। साथ ही संक्रमण को रोकने वाली तकनीकों और पद्धतियों का उपयोग किया जाता है। कभी-कभी घबराहट के कारण रक्तदाता की पल्स तेज हो सकती है और पसीना आ सकता है, जो केवल घबराने के कारण होता है। रक्तदान से इनका कोई संबंध नहीं होता और शीघ्र ही स्वतः सामान्य भी हो जाता है। वहीं, रक्तदान की प्रक्रिया 40 से 45 मिनट में पूरी हो जाती है। इस प्रकार इन भ्रांतियों पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं देकर रक्तदान से जुड़ी सच्चाइयों पर गौर करना चाहिए और सच यह है कि रक्तदान करना प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति के लिए उपयोगी, जरूरी एवं लाभकारी होता है। उपयोगी इसलिए, क्योंकि प्रति तीन महीने के बाद शरीर में बनने वाले लाल रक्त कण स्वतः ही समाप्त हो जाते हैं, चाहे रक्तदान करें अथवा नहीं। इसलिए बेहतर तो यही होगा कि रक्तदान करके किसी की जान बचा ली जाए। रक्तदान जरूरी इसलिए होता है, क्योंकि हमारे शरीर से एक निश्चित अवधि के बाद स्वतः ही नष्ट होकर तुच्छ साबित हो जाने वाली वस्तु का दान करके हम कई लोगों की जान बचा सकते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति वर्ष भर में चार बार रक्तदान करता है तो वह कम-से-कम चार व्यक्तियों का जीवन बचा रहा होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार प्रत्येक वर्ष दुनिया भर में 11,74,000,00 यूनिट रक्त दान के जरिए एकत्र किया जाता है। इसके बावजूद समय पर रक्त न मिलने अर्थात् रक्त के अभाव के कारण दुनिया में प्रतिदिन लाखों लोग मर जाते हैं। जाहिर है कि रक्तदान करना अत्यंत जरूरी है। इनके अलावा रक्तदान करने के लाभ भी बहुत हैं यथा-रक्तदान करने से पूर्व चिकित्सकों द्वारा रक्तदाताओं के शरीर के वजन, रक्तचाप, हीमोग्लोबिन, मलेरिया, एचबीएसएजी, एचसीवी, वीडीआरएल आदि जैसी प्रमुख जांचें निःशुल्क की जाती हैं। यही नहीं, नए शोधों में पता चला है कि रक्तदान करना स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। शोधकर्ताओं ने 1968 से 2002 तक 1110202 लोगों पर किए गए शोध में यह पाया कि जिन्होंने जीवन में कई बार रक्तदान किया था, उनमेंलीवर, लंग्स, कोलोन, पेट एवं गले के कैंसर का खतरा कम पाया गया। शोधकर्ताओं के अनुसार जो लोग लगातार या अक्सर रक्तदानकरते हैं, उन्हें दिल की बीमारी का खतरा भी कम होता है। इस प्रकार देखा जाए तो रक्तदान करने के अनेक लाभ भी हैं।

विश्व रक्तदाता दिवस पर विशेष

मुकेश कुमार शर्मा

लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं।

रक्तदान कर जीवन रक्षा का पुण्य कमाएं

जीवन में हर किसी को कभी न कभी परिजनों, रिश्तेदारों, दोस्तों या पड़ोसियों के लिए विशेष परिस्थितियों में रक्त (ब्लड) की आवश्यकता पड़ती ही है। कई बार हमें जरूरत के मुताबिक़ समय से सुरक्षित रक्त मिल जाता है तो कई बार समय से रक्त मिलने में मुश्किल का सामना करना पड़ता है। ऐसे में मरीज की जान तक बचाना मुश्किल हो जाता है। इसी मुश्किल को आसान बनाने के लिए हर वर्ष 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है।

विश्व रक्तदाता दिवस को मनाने का मूल मकसद लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना है ताकि किसी भी मुसीबत में फंसे अपने ही नहीं पराये को भी समय से सुरक्षित रक्त मिल सके और उनके प्राणों की रक्षा की जा सके। रक्तदान को महादान भी कहा जाता है क्योंकि यही एक ऐसी चीज है जिसे किसी भी लैब में या किसी अन्य तरीके से तैयार नहीं किया जा सकता है। इसलिए आज इस दिवस पर प्रण लेने की जरूरत है कि हम समय-समय पर रक्तदान कर महादानी बनने का गौरव हासिल करेंगे। इसके साथ ही आज उन महादानियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करने और सम्मान करने का भी दिन है जिनके दान की बदौलत हर साल न जाने कितने लोगों के प्राणों की रक्षा की जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस साल विश्व रक्तदाता दिवस की थीम है- 'दान का उत्सव मनाने के 20 सालः रक्तदाताओं को धन्यवाद।'

18 से 65 साल का कोई भी पूर्ण रूप से स्वस्थ व्यक्ति रक्तदाता बन सकता है। रक्तदाता की कुछ जरूरी जांच भी की जाती है ताकि ब्लड बैंक तक किसी तरह से संक्रमित रक्त न पहुँचने पाए, इसीलिए हाल ही में टैटू बनवाने वालों व बीमार व्यक्तियों के रक्त लेने से भी परहेज किया जाता है ताकि रक्त की शुद्धता बरकरार रखी जा सके। वयस्क स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में 4.5 लीटर से पाँच लीटर रक्त होता है। कोई भी स्वस्थ व्यक्ति एक बार में 300 से 450 मिली लीटर रक्त दान कर सकता है, जिसकी भरपाई शरीर 24 से 48 घंटे में खुद कर लेती है। तीन माह के अन्तराल पर दोबारा रक्तदान किया जा सकता है। रक्त के अलग-अलग समूह होते हैं, जिनमें कुछ अति दुर्लभ किस्म के होते हैं, जिनके रक्तदाताओं की पहचान कर उनसे बराबर सम्पर्क में रहने की जरूरत होती है ताकि किसी विषम परिस्थिति में उनसे सम्पर्क कर रक्तदान की अपील की जा सके।

दुर्घटनाओं में घायलों, गर्भवती, सर्जिकल वाले मरीजों, थैलेसीमिया, कैंसर, एनीमिया आदि स्थितियों में मरीज के लिए रक्त की जरूरत अस्पतालों को आये दिन रहती है। ऐसे में सुरक्षित और पर्याप्त रक्त का संग्रह चुनौतीपूर्ण होता है, जिसे रक्तदाता के जरिये ही पूर्ण किया जा सकता है। इसलिए रक्तदान से जुड़ीं भ्रांतियों और गलतफहमियों को दूर करने के साथ खुद रक्तदान करने के लिए आगे आना चाहिए और इसके लिए दूसरों को भी प्रेरित किया जाना चाहिए। तो आइये हम सभी मिलकर आज इस पुनीत दिवस पर प्रण लें कि हम लोगों की जान बचाने के लिए खुद रक्तदान करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने के साथ ही स्वस्थ स्वास्थ्य परम्परा का भी निर्वहन करेंगे। इसके साथ ही हमें यह भी हमेशा ध्यान रखना है कि सुरक्षित रक्त जीवन बचाता है, इसलिए जब भी-जहाँ भी जरूरत होगी रक्तदान जरूर करेंगे और ब्लड बैंक को खाली होने से बचाएंगे।

रक्तदान से किसी तरह की कमजोरी नहीं आती बल्कि दिल की सेहत में सुधार के साथ ही दिल की बीमारियों और स्ट्रोक के खतरे को आसानी से कम किया जा सकता है। खून में आयरन की अधिक मात्रा दिल के दौरे के जोखिम को बढ़ा सकती है, जबकि नियमित रक्तदान से आयरन की अतिरिक्त मात्रा नियंत्रित हो जाती है, जो दिल की सेहत के लिए अच्छा है। रक्तदान व्यक्ति की जान को तो बचाता ही है साथ ही उनसे जुड़े परिवारजनों की आशाओं को भी जीवित रखता है, क्योंकि यह किसी भी रक्तदाता को पता नहीं होता कि उसके द्वारा दान किया गया रक्त कितने जरूरतमंद व्यक्तियों को मिल रहा है। एक यूनिट रक्त चार व्यक्तियों की जान बचा सकता है, क्योंकि इसके अलग-अलग अवयव श्वेत व लाल रक्त कोशिकाएं, प्लेटलेट्स और प्लाज्मा अलग-अलग लोगों के काम आ सकता है। इसलिए इससे ज्यादा पुण्य का कार्य और कोई नहीं हो सकता। खासकर गर्भवती को प्रसव के समय अतिरिक्त रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसी स्थिति में गर्भवती के साथ ही गर्भस्थ शिशु को सुरक्षित बनाने में एक-एक रक्तदाता महत्वपूर्ण हो जाता है। ऐसी ही आप त स्थितियों में रक्त की आपूर्ति बरक़रार रखने के लिए लोगों को रक्तदान के लिए सहर्ष आगे आना चाहिए। जन्मदिन, शादी की सालगिरह, संस्थान के स्थापना दिवस जैसे खुशी के अवसरों पर भी रक्तदान कर दूसरों को नायाब तोहफा दे सकते हैं। ज्ञात हो कि विश्व रक्तदाता दिवस कार्ल लैंडस्टीनर के जन्मदिन 14 जून 1868 की सालगिरह पर हर साल मनाया जाता है। कार्ल लैंडस्टीनर को एबीओ रक्त समूह प्रणाली की खोज के लिए नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

विश्व रक्तदाता दिवस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

रक्तदान का जश्न मनाने के 20 साल

रक्तदान को पूरी दुनिया में सबसे बड़ा दान माना गया है क्योंकि रक्तदान ही है, जो न केवल किसी जरूरतमंद का जीवन बचाता है बल्कि जिंदगी बचाकर उस परिवार के जीवन में खुशियों के ढ़ेरों रंग भी भरता है। कल्पना कीजिए कि कोई व्यक्ति रक्त के अभाव में जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रहा है और आप एकाएक उम्मीद की किरण बनकर सामने आते हैं और आपके द्वारा किए गए रक्तदान से उसकी जिंदगी बच जाती है तो आपको कितनी खुशी होगी। हालांकि एक समय था, जब चिकित्सा विज्ञान इतना विकसित नहीं था और किसी को पता ही नहीं था कि किसी दूसरे व्यक्ति का रक्त चढ़ाकर किसी मरीज का जीवन बचाया जा सकता है। उस समय रक्त के अभाव में असमय होने वाली मौतों का आंकड़ा बहुत ज्यादा था किन्तु अब स्थिति बिल्कुल अलग है लेकिन फिर भी यह विड़म्बना ही कही जाएगी कि रक्तदान के महत्व को जानते-समझते हुए भी रक्त के अभाव में आज भी दुनियाभर में हर साल करोड़ों लोग असमय ही काल के ग्रास बन जाते हैं। जीवनदायी रक्त की महत्ता के मद्देनजर लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से 14 जून 1868 को जन्मे कार्ल लैंडस्टीनर के जन्मदिवस पर 14 जून 2004 को रक्तदाता दिवस की शुरूआत की गई थी और तब पहली बार विश्व स्वास्थ्य संगठन, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेडक्रॉस तथा रेड क्रिसेंट सोसायटीज द्वारा 'रक्तदाता दिवस' मनाया गया था, तभी से यह दिन 'रक्तदान' के नाम कर दिया गया। इस वर्ष यह दिवस 'दान का जश्न मनाने के 20 साल- धन्यवाद रक्तदाता!' थीम के साथ मनाया जा रहा है। विश्व रक्तदाता दिवस की शुरूआत का उद्देश्य यही था कि चूंकि दुनियाभर में लाखों लोग समय पर रक्त न मिल पाने के कारण मौत के मुंह में समा जाते हैं, अतः लोगों को रक्तदान करने के लिए जागरूक किया जाए।

रक्तदान के महत्व को लेकर किए जाते रहे प्रचार-प्रसार के बावजूद आज भी बहुत से लोगों के दिलोदिमाग में रक्तदान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान हैं, जैसे रक्तदान करने से संक्रमण का खतरा रहता है,

शरीर में कमजोरी आती है, बीमारियां शरीर को जकड़ सकती हैं या एचआईवी जैसी बीमारी हो सकती है। इस तरह की भ्रांतियों को लेकर लोगों को जागरूक करने के प्रयास किए जाते रहे हैं किन्तु अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी है। रक्तदान करने से शरीर को किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं होता बल्कि रक्तदान से तो शरीर को कई फायदे ही होते हैं। जहां तक रक्तदान से संक्रमण की बात है तो सभी स्वास्थ्य केन्द्रों द्वारा रक्त लेते समय विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा तय मानक तरीके अपनाए जाते हैं, इसलिए संक्रमण का कोई खतरा नहीं होता। 18 साल से अधिक उम्र का शारीरिक रूप से स्वस्थ कम से कम 45 किलो से अधिक वजन का कोई भी व्यस्क स्वेच्छा से कम से कम तीन माह के अंतराल पर साल में 3-4 बार रक्तदान कर सकता है। कुछ लोगों को रक्तदान के समय हल्की कमजोरी का अहसास हो सकता है किन्तु यह चंद घंटों के लिए अस्थायी ही होता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार भारत में प्रतिवर्ष एक करोड़ यूनिट से भी ज्यादा रक्त की आवश्यकता पड़ती है किन्तु मरीजों के इलाज में हर साल कई लाख यूनिट रक्त कम पड़ जाता है, जिसका खामियाजा अनगिनत लोगों को रक्त के अभाव में अपनी जान गंवाकर चुकाना पड़ता है। यह बेहद चौंकाने वाली स्थिति है और आधुनिक विज्ञान के युग में भी रक्त की कमी के चलते लाखों लोगों की मौतों के मद्देनजर यह नितांत आवश्यक है कि आमजन को रक्तदान के लिए प्रेरित करने और उसके फायदे समझाने के लिए व्यापक स्तर पर जन-जागरण अभियान चलाया जाए। लोगों को समझाया जाए कि रक्तदान करने से उन्हें किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होता बल्कि अपने रक्त से एक अनमोल जीवन बचाकर जो आत्मिक संतुष्टि मिलती है, वह अनमोल है, साथ ही हमारे शरीर का रोग प्रतिरोधी तंत्र भी रक्तदान से मजबूत होता है। मानव शरीर में शरीर के कुल वजन का करीब 7 फीसदी रक्त होता है और यदि हम उसमें से 3 फीसदी भी दान कर दें तो भी स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या नहीं होती। वैसे विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्देशानुसार एक बार में किसी भी व्यक्ति का एक यूनिट अर्थात 450 मिलीलीटर से अधिक रक्त नहीं लिया जा सकता और इस रक्त की पूर्ति हमारा शरीर खुद ही 2-3 दिनों में ही कर लेता है। रक्तदान के बाद प्राप्त रक्त से आवश्यकतानुसार लाल रक्त कणिकाएं, प्लेटलेट्स, प्लाज्मा और क्रायोप्रेसिपिटेट अलग कर मरीजों के लिए उपयोग किए जाते हैं। आरबीसी का उपयोग रक्त लिए जाने के 42 दिन बाद तक किया जा सकता है जबकि प्लेटलेट्स केवल 5 दिन के अंदर उपयोग की जा सकती हैं।

रक्तदान करते समय कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान अवश्य रखा जाना चाहिए, तभी आप द्वारा किया गया रक्तदान सार्थक होगा। आपको एड्स, मलेरिया, हेपेटाइटिस, अनियंत्रित मधुमेह, किडनी संबंधी रोग, उच्च या निम्न रक्तचाप, टीबी, डिप्थीरिया, ब्रोंकाइटिस, अस्थमा, एलर्जी, पीलिया जैसी कोई बीमारी हो तो रक्तदान न करें। माहवारी के दौरान या गर्भवती अथवा स्तनपान कराने वाली महिलाएं रक्तदान करने से बचें। यदि आपको टाइफाइड हुआ हो और ठीक हुए महीना भर ही हुआ हो, चंद दिनों पहले गर्भपात हुआ हो, तीन साल के भीतर मलेरिया हुआ हो, पिछले छह महीनों में किसी बीमारी से बचने के लिए कोई वैक्सीन लगवाई हो, आयु 18 से कम या 60 साल से ज्यादा हो तो रक्तदान न करें। जब भी रक्तदान करें, उससे कुछ समय पहले और कुछ समय बाद तक पर्याप्त पानी पीएं, भोजन में हरी सब्जियां तथा आयरन व विटामिन से भरपूर पौष्टिक आहार लें लेकिन रक्तदान से पहले जंक फूड, अधिक वसायुक्त भोजन के अलावा धूम्रपान, मद्यपान इत्यादि किसी भी प्रकार के नशे का सेवन करने से बचें। शराब पीते हैं तो 2-3 दिन पहले शराब का सेवन बंद कर दें।

बैतूल को 1008 विकास कार्यों की सौगात देंगे मुख्यमंत्री

बैतूल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा जिले भर के 347 करोड़ रुपए की लागत से 1008 कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत 14 जून को मुलताई प्रवास पर रहेगे। अपने अल्प प्रवास के दौरान वे जल संसाधन विभाग के सीतलझिरी मध्यम उद्वहन परियोजना अंतर्गत 276.13 करोड़ रुपए, नगरीय विकास विभाग अंतर्गत अमृत योजना 2.0 पेयजल नेटवर्क अंतर्गत 11.07 करोड़ के कार्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत जल संवर्धन अंतर्गत 8.90 करोड़ के कार्य, जनजाति विभाग अंतर्गत आदिवासी कन्या आश्रम के 2.75 करोड़ के कार्य, नगरीय विकास जल संवर्धन अंतर्गत 0.92 करोड़ के कार्य, किसान कल्याण विभाग अंतर्गत अनुविभागीय कृषि अधिकारी कार्यालय के लिए

0.53 करोड़ के कार्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत रेट्रोफिटिंग नल योजना के लिए 10 करोड़ के कार्य, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्र कोसमी में सीसी रोड एवं नाली निर्माण के लिए 9.9 करोड़ के कार्य, स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र भवन के 9.1 करोड़ के काम, प्रधानमंत्री योजना अंतर्गत पुल निर्माण हेतु 8.8 करोड़ के कार्य नगरीय विकास विभाग अंतर्गत सीसी रोड एवं डामरीकरण कार्य 6.32 करोड़ के कार्य तथा नगरीय विकास अंतर्गत अन्य निर्माण कार्यों के लिए 1.94 करोड़ के कार्य शामिल है।

हेलीपैड पर केन्द्रीय राज्यमंत्री एवं विधायकगण करेंगे अगुवाई- मुख्यमंत्री डॉ.यादव का हेलीकॉप्टर 11 बजे मासोद रोड पर बने हेलीपैड पर लैंड करेंगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत एवं अगवानी पुष्प गुच्छ के साथ केन्द्रीय राज्य मंत्री एवं सांसद श्री डीडी उइके, बैतूल विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल, आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे, मुलताई विधायक श्री चंद्रशेखर देशमुख, भैंसदेही विधायक श्री महेन्द्र सिंह चौहान, घोड़ाडोंगरी विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उईके, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजा पंवार एवं कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी सीईओ जिला पंचायत, अपर कलेक्टर विकास श्री अक्षत जैन द्वारा की जाएगी।

रोड शो एवं कलश यात्रा- मुख्यमंत्री डॉ.यादव शुक्रवार दोपहर 11 बजे मुलताई पहुंचेगे, जहां से पुराना नागपुर नाका अंबेडकर चौक पर उनका स्वागत होगा। इसके बाद अंबेडकर चौक उनका स्वागत होगा। इसके बाद अंबेडकर चौक से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी जो ताप्ती तट के महाआरती द्वार पहुंचेगी जहां मुख्यमंत्री द्वारा ताप्ती तट पर मां ताप्ती के दर्शन एवं तट पर जलाभिषेक करते हुए स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। जिसके बाद उत्कृष्ट विद्यालय मैदान पर वे विशाल आमसभा को संबोधित करेंगे।

आज रेड टी शर्ट और रेड केप पहनकर रक्तदान जागरूकता हेतु सड़क पर उतरेगा बैतूल

रक्तदान की झांकी व सैनिक संघ की झांकी रहेगी आकर्षण का केंद्र

बैतूल। 14 जून विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश में बैतूल जिले में अभिनव पहल की जा रही है समस्त सामाजिक संगठनों के प्रयास से कार्यक्रम में मशाल व रक्तक्रांति की तख्तियां लेकर आज बैतूल शहर सड़क पर उतरकर रक्तदान जागरूकता का संदेश देगा साथ ही झांकी तैयार की गई है

यह रहेगा रूट चार्ट -जिला चिकित्सालय से प्रारंभ, आंबेडकर चौक, कारगिल चौक, गंज गुरुद्वारा, मैकेनिक चौक गंज, कांतिशिवा चौक, रेलवे स्टेशन गज ,दिलबहार चौक (एच मार्ट किराना), तांगा स्टैंड, गुप्ता बर्तन भंडार, गुप्ता लाइफ स्टाइल,बाबू चौक,आभा श्री होटल, कालेज चौक, मुर्गी चौक, कमानी गेट, थाना चौक, लल्ली चौक, बस स्टेंड कोठीबाजार, स्टेडियम चौक, शिवाजी चौक, शिवाजी ऑडिटोरियम बैतूल।

रैली में यह रहेंगे शामिल - रक्तदान पर झांकी, सैनिक संघ की झांकी, रक्तदान जागरूकता संगीत, पूर्व सैनिक, महिला शक्ति, पुरुष रक्तदाता, नर्सिंग छात्र, कालेज छात्र, चौपहिया वाहन,ब्लड वेन आदि शामिल रहेंगे। समापन पर रक्त क्रांति सम्मान भी रखा गया है।

पूर्णतः दृष्टि बाधित दिलीप कुमार को मिली पीएचडी

बैतूल। कहते हैं मेहनत करने का जज्बा हो तो कोई भी विकलांगता आड़े नहीं आती है। ऐसा ही करिश्मा, बैतूल के पूर्णतः दृष्टि बाधित दिलीप कुमार बारपेटे ने कर दिखाया है। उनके हौसले ने दिखा दिया कि कोई भी लक्ष्य अभेद नहीं होता है। बडोरा निवासी दिलीप कुमार बारपेटे को क्रिटिकल एप्रेसल ऑफ मिल्टन पोएट्री पर शोध उपरांत बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल सेहरा में अंग्रेजी विषय के उच्च माध्यमिक शिक्षक और स्व.सुखनंदन बारपेटे एवं श्रीमती गुलजा बारपेट के पुत्र दिलीप बारपेटे ने यह शोध कार्य डॉ.एसबी हसन के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। संभवत दिलीप बारपेटे, जिले के अंग्रेजी साहित्य के पहले पूर्णता दृष्टि बाधित शोधकर्ता हैं जिन्हें यह उपाधि मिली है।

एक और श्रीकांत- दिलीप की सफलता की कहानी भी हाल ही में प्रदर्शित फिल्म श्रीकांत से मिलती-जुलती है। पीएचडी के लिए दिलीप ने ही स्क्रीन रीडिंग सॉफ्टवेयर की सहायता से स्वयं ने ही पूरी थिसिस टाईप की है। सॉफ्टवेयर की ही सहायता से उन्होने पावर पाइंट प्रजेंटेशन बनाया। कक्षा 12वीं तक पाढर ब्लाइंड स्कूल में शिक्षा प्राप्त करने के बाद जेएच कॉलेज में एमए अंग्रेजी साहित्य से किया। पीएससी द्वारा आयोजित होने वाली राज्य पात्रता परीक्षा भी उत्तीर्ण की है। एक रोचक वाक्य यह भी है की दिलीप ने जिस अंग्रेज कवि मिल्टन पर शोध कार्य किया है वह भी दृष्टिबाधित थे।

ग्रामीणों ने श्रमदान कर की भाजी नदी और हर्रा नाले की सफाई

बैतूल। जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए 16 जून गंगा दशहर तक चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति गवासेन, भुरभुर एवं चिरापाटला के तत्वावधान में ग्रामीणों ने बुधवार को चिचोली के ग्राम भुरभुर की भाजी नदी और गवासेन में हर्रा नाले की साफ-सफाई की। इस दौरान नाले में पनपी झाड़-झाडियों एवं कचरे को अलग किया गया।

अभियान के माध्यम से जनमानस को स्वच्छता एवं जल संरक्षण, संवर्धन के प्रति जागरूक करते हुए शपथ दिलाई गई।

म.प्र. जन अभियान परिषद जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी ने बताया कि कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन के निर्देश पर जिले के सभी विकासखंडों में तालाब, बावड़ी गहरीकरण, नदी, नालों की सफाई, ऐतिहासिक एवं पारंपरिक जल संरचनाओं के संरक्षण, पुनर्जीवन के लिए जिले में आगामी 16 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के माध्यम से जनमानस को जल संवर्धन और संरक्षण के लिये प्रेरित किया जा रहा।

पुलिस ने किया 48 घंटे के अंदर 24 लाख की चोरी का पर्दाफाश

दो चोरों से लाखों रुपए का मशरूका किया जब्त

सूने मकान में सेंधमारी कर नगदी सहित जेवरात किए थे चोरी

बैतूल। शहर के बच्चा जेल टिकारी स्थित एक सूने मकान में 9 जून की रात्रि में चोरों ने सेंध लगाते हुए 24 लाख रुपए की चोरी को अंजाम देकर नगदी सहित सोने- चांदी के आभूषणों पर हाथ साफ करते हुए फरार हो गए थे। इस मामले में पुलिस ने 48 घंटे के भीतर ही चोरों को गिरफ्तार कर चोरी का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इनके पास से 71 हजार रुपए नगद सहित 24 लाख रुपए का माल-मशरूका जब्त किया है।

9 जून की रात्रि में हुई थी चोरी- पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादिया ललिता पति उकंड्या खांतरवार, उम्र 60 वर्ष निवासी पुराना बस्था जेल चौक के पास प्रताप वार्ड बैतूल ने आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका परिवार उसके भांजे की शादी मे 09.06.24 को भोपाल गया था। घर से जाते समय उसके छोटे बेटे अजय ने घर के सामने के मेन दरवाजे की कुण्डी ऐसे ही लगा दी थी और बाहर के जाली वाले दरवाजे पर ताला लगा दिया था और वो लोग भोपाल निकल गये। फिर दिनांक 10.06.24 की सुबह 5 बजे वापस अपने घर आये, तो उसने देखा कि घर के जाली वाले दरवाजे का ताला टूटा हुआ था, और ये घर के अंदर जैसे ही घुसे, तो घर के अंदर की दीवार का पल्ला उठा हुआ था, और उसमें रखा हुआ सामान बिखरा हुआ था,, और उन्होंने अंदर के कमरे में जाकर देखा, तो वहां भी लोहे के ड्रम और पेटी के ताले खुले पड़े थे, और सारा सामान बिखरा हुआ था। इस प्रकार अंदर रखा हुआ रानी हार 02, छोटा रानी हार 02, मंगलसुत्र 02, चौन लॉकेट, सहित 02, सोने की अंगूठी जेंट्स की 02 लेडिस की, झुमकी 03 जोड़ी, झाले 03 जोड़ी, कान के 03 जोड़ी, एक दानी भाला, पायल नयी वाली 03 जोड़ी, 02 जोड़ी पुरानी पायल, सोने की चौन 01 जोड़ी, छोटी हाय 03, पायल मोटी धोर, कान के गोल टॉप्स, बच्चों के चांदी के कड़े, दस मोती के पेंडल सहित, आठ मोती नया पेडल सहित, सोने के एक कंगन 01 जोड़ी, एक बड़ा मंगलसुत्र बैंडल सहित, गोल रिंग 02, बच्चे के चांदी के सिक्के 06, नाक का मुखड़ा 02 और इसके अलावा तीन लाख पचास हजार रूपये, जो हमारी तीन बीसी के रूपये थे, जो मैंने एक साथ रखे थे, और 04 एटीएम कार्ड, जिनमे उनके पिन नम्बर उनमें लिखकर रखे हुए है, ये सभी उनमें नहीं थे, जिन्हें कोई अज्ञात व्यक्ति चुराकर ले गया है। जिस पर थाना कोतवाली में अपराध क्र. 597-24 धारा 457,380 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण की विवेचना में पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में गठित टीम ने मुखबिर की सूचना एवं घटनास्थल पर मिले वैज्ञानिक साक्ष्य के आधार पर संदेहियों लकी उर्फ पपिंदर पिता गुरनाम सिंह उम्र 26 वर्ष निवासी डॉन बास्को के सामने सदर बैतूल एवं आकाश उर्फ मोनू पिता जवाहरलाल मालवी उम्र 32 वर्ष निवासी लिंक रोड टिकारी बैतूल से सांपना डेम के आगे साई मन्दिर के पास से घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ कीम जिन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने ही बच्चा जेल चौक के पास दिनांक 10.06.24 की रात्रि में सूना मकान पाकर घर के दरवाजे में लगे ताले को तोड़कर चोरी करना स्वीकार किया। जिसमें आरोपियों के कब्जे से मशरुका चांदी 4 नग चांदी के सिक्के, 2 जोड़ी पुरानी इस्तेमाली पायल, 2 नग बच्चे के चांदी के ब्रेसलेट, 1 बड़ी चेन पेंडल सहित 8 मोती पेंडल, 2 नग मंगलसूत्र सोने के, 3 जोड़ी सोने के झुमके, 1 जोड़ी ओल ईयर रिंग, 3 नग सोने की अंगूठी, नाक का मुखड़ा और एक लोग, 3 जोड़ी चांदी की पायल नयी, 1 जोपडी मोटी पायल घोर, 1 नग सोने का रानी हार, 1 नग बड़ा मंगलसुत्र, 3 जोड़ी सोने के झाले, एक पतली चौन लाकेट, 1 जोड़ी गोल कान के टॉप्स, 10 मोती पेंडल सहित, 03 बड़े और 02 छोटे सोने के टॉप्स और कुल नगदी 71580- रूपये जप्त किये गये। जप्तशुदा मशरूका कीमती करीबन 24,00,000 रूपये की हैं।

इनकी रही सराहनीय भूमिका- उक्त मामले का का मशरूका व अज्ञात आरोपियों की तलाश पतासाजी एवं गिरफ्तारी करने में निरीक्षक देवकरण देहरिया थाना प्रभारी कोतवाली, उपनिरीक्षक नितिन उईके, उपनिरीक्षक नरेंद्र सिंह ठाकुर, आरक्षक 56 नितिन चौहान, आरक्षक 132 नवनीत वर्मा, आरक्षक 369 शिव उईके, आरक्षक 94 अभिजीत, आर. दीपेन्द्र सिंह की सराहनीय भूमिका थी।

हां.... मैं जिंदा हूं.. बालाजीपुरम का अभियान

सरकारी कागज में मृत घोषित किए गए लोगों के लिए बालाजीपुरम संस्थापक सेम वर्मा की अभिनव पहल

बैतूल। साल 2021 में प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता पंकज त्रिपाठी की फिल्म 'कागज' आई थी जिसमें एक बैंडबाजे वाले को कागज में मृत घोषित कर दिया था, और फिर वो 19 साल लड़ाई लड़ कर अपने आप को जिंदा साबित कर पाता है। ऐसे ही हजारों लोग हैं जो लंबी कानूनी लड़ाई के सामने हार कर खुद को 'जिंदा' साबित नहीं कर पाते हैं। ऐसे ही जिंदा 'मृत' लोगों का एक संगठन भी 'मृतक संघ' नाम से है। जिसके अध्यक्ष लाल बिहारी पर ही ये बेहतरीन फिल्म भी बनी है। अब ऐसे ही पीड़ित लोगों के लिए सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहने वाले बालाजीपुरम संस्थापक सेम वर्मा ने नई पहल की है। इस पहल में ऐसे पीड़ित लोगों की हर तरह से मदद की जाएगी।

गौरतलब है कि भारत के पांचवेधाम श्री रुक्मणी बालाजी मंदिर बालाजीपुरम बैतूल में सेवा और न्याय के लिए सतत अभियान चलाए जाते हैं। अब एक नया अभियान 'हां..मैं जिंदा हूं..' आरंभ किया जा रहा है। इस संबंध में बालाजीपुरम संस्थापक सेम वर्मा ने बताया कि लंबे समय से मंदिर और अन्य जगह पर उनके सामने ऐसे मामले आते रहते हैं जिनमें लोगों को जमीन आदि कई मामलों में कागज में मृत घोषित कर दिया जाता है, जबकि वो जीवित रहते हैं। ऐसे में व्यक्ति अपने अधिकारों से वंचित होकर खुद को जिंदा साबित करने के लिए दर-दर भटकता रहता है। ऐसा ही मुलताई का एक मामला तब सामने आया था, जब मुख्यमंत्री की सभा में तथाकथित मृतक ने खुद को जिंदा होने की बात उठाई थी।

जागरूकता एवं उपचार शिविर में 38 बच्चों की हुई स्क्रीनिंग

बैतूल। स्वास्थ्य विभाग द्वारा क्लबफुट विकृति माह के अंतर्गत 13 जून 2024 को डीआईसी जिला चिकित्सालय में जागरूकता एवं उपचार शिविर आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रविकांत उइके ने बताया कि शिविर में क्लब फुट के 38 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई। शिविर में 9 बच्चों की कास्टिंग, 12 बच्चों की सर्जरी, 7 बच्चों की फिजियोथेरेपी की गई एवं 13 बच्चों को जूते प्रदान किये गये।

शिविर राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया, जिसमें डॉ.जगदीश घोरे शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ.रूपेश पदमाकर अस्थि रोग विशेषज्ञ, डॉ शैलेन्द्र तावड़े फिजियोथेरेपिस्ट, श्रीमती अचल इजेकिल पाढर चिकित्सालय, राज्य स्तर से श्रीमती कविता मालवीय अनुष्का फाउंडेशन बैतूल, श्रीमती अनिअम्मा क्योर इंटरनेशनल डव्लपमेंट पार्टनर, आरबीएसके मैनेजर श्री योगेन्द्र कुमार दवंडे, आरबीएसके चिकित्सक एवं डीआईसी स्टाफ उपस्थित रहा।

मोड़ीढाना में भूगर्भीय हलचल से मकान में आई दरारों का क्या है सच- भूकंप या स्टोन क्रेशर

बैतूल। ताप्ती किनारे स्थित ग्राम पंचायत सराड के मोड़ीढाना ग्राम में भूगर्भीय हलचल से घरों की दीवारों में दरारें आने और सीमेंट शीटों के सरक जाने संबंधी समाचार परिधि न्यूज द्वारा प्रसारित किया गया था। मंगलवार को दोपहर 12 बजे अचानक धरती के हिलने की वजह से ग्राम मोड़ीढाना के रहवासियों में दहशत व्याप्त है। जिस वक्त धरती हिली ग्रामीण घरों से बाहर निकल

आए घरों की दीवारों में दरारें देख सभी डरे सहमे हुए हैं। इस संबंध में हरिभूमि में प्रमुखता से समाचार प्रसारण के बाद प्रशासन की टीम हरकत में आई और खनिज अधिकारी मनीष पल्लेवार, स्थानीय पटवारी सहित अन्य महकमा मोड़ीढाना पहुंचा। प्रशासनिक टीम ने यहां ग्रामीणों से चर्चा की, इसके अलावा आसपास के क्षेत्र में जांच भी की गई। जिला खनिज अधिकारी मनीष पल्लेवार ने परिधि न्यूज से चर्चा में बताया कि मोड़ीढाना के आसपास दो गिट्टी खदानें (स्टोन क्रेशर) हैं इन खदानों में ब्लास्टिंग की वजह से भूगर्भीय हलचल से मकान में दरारें पड़ सकती है। इसके अलावा पंचायत सराड में ही मोड़ीढाना के पास एक वीक जोन है जिससे स्थानीय भूकंप की आशंका भी जताई जा रही है। 800 मीटर एवं पौने दो किलोमीटर के दायरे में गिट्टी खदानें ग्राम मोड़ीढाना से पौने दो किलोमीटर एवं 800 मीटर के दायरे में दो गिट्टी की खदानें हैं। खनिज अधिकारी द्वारा मोड़ीढाना की घटना सामने आने के बाद दोनों ही खदानों के कागजात चेक किए गए। जिसमें 800 मीटर दूर स्थित खदान में 30 मई को ब्लास्टिंग किए जाने के साक्ष्य सामने आए हैं लेकिन जिस दौरान मकान में दरारें आने और भूगर्भीय हलचल होने की बात की जा रही है उस दौरान खदान में ब्लास्टिंग नहीं की गई यह दावा भी किया जा रहा है। इस खदान पर ब्लास्टिंग का एग्रीमेंट 30 मई का पाया गया।इसके अलावा पौने दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित खदान में कोई ब्लास्टिंग नहीं हुई है। यहां ब्लास्टिंग के कोई प्रमाण भी टीम को नहीं मिले।

वीक जोन से भूकंप की आशंका का दिया जा रहा हवाला- खनिज अधिकारी की माने तो वह स्वयं एक जियोलॉजिस्ट भी है इसलिए उन्होंने भूकंप की आशंकाओं को देखते हुए क्षेत्र में परीक्षण किया। उनके मुताबिक इस क्षेत्र में दो फाल्ट लाइन एवं लिनियामेंट (वीक जोन) है जिससे स्थानीय भूकंप का अंदेशा भी उनके द्वारा लगाया जा रहा है। हालांकि उन्होंने इस बात की भी पुष्टि की है कि पूर्व में कभी इस क्षेत्र में भूकंप का कोई रिकॉर्ड नहीं है। तो क्या गुपचुप तरीके से हुई ब्लास्टिंग? जहां जिम्मेदार अधिकारी यह मान रहे हैं कि मोड़ीढाना में ब्लास्टिंग एवं भूकंप दोनों ही वजह से मकान घरों की दीवारों में दरारें आ सकती है।

36 हजार राजस्व प्रकरणों का 3 माह में निराकरण

कलेक्टर की नियमित समीक्षा के सार्थक परिणाम

बैतूल। किसान हो या आमजन उसकी पहली प्राथमिकता उसका खेत, उसकी जमीन होती है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने किसान की प्राथमिकता को अपनी प्राथमिकता में सर्वोपरि स्थान दिया। उन्होंने 3 माह में ही राजस्व के 36 हजार प्रकरणों का निराकरण कराया। इसके अंतर्गत 18 हजार 138 नामांतरण के, 2 हजार 734 बंटवारे के, 3 हजार 163 सीमांकन के प्रकरण शामिल है। इसके अलावा रिकार्ड दुरुस्ती के एक हजार 165, नक्शा दुरुस्ती 52 हजार 436 और स्वामित्व योजना के 13 हजार 883 प्रकरणों को निराकृत किया गया। भू अधिकार पत्र, धारणाधिकार के 517 प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण कराया गया। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का भी समयावधि में सकारात्मक निराकरण करने वाले प्रदेश के अग्रणी 10 जिलों में बैतूल शामिल हुआ।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने 2 जनवरी 2024 को अपना पदभार ग्रहण करने के बाद पाया कि जनसुनवाई हो, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन अथवा सीधे शिकायत हो, अधिकतर आवेदन राजस्व प्रकरणों से संबंधित है। किसान हो या आमजन उसे अपने जमीन के सीमांकन, बंटवारे, नक्शे

आदि को पूरा करने के लिए खेत में कम उसका ज्यादा समय पटवारी और तहसील के चक्कर लगाने में गुजर जाता है। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने राजस्व अधिकारियों को अपनी प्राथमिकता से अवगत कराते हुए इन लंबित प्रकरणों के निराकरण के प्रति गंभीरता से समय-सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने प्रति सोमवार अपनी निश्चित टीएल बैठक में राजस्व संबंधी प्रकरणों की नियमित समीक्षा की गई। इसका परिणाम है कि अल्प अवधि में 90 दिनों में 36 हजार प्रकरण से आशय 400 प्रकरणों का प्रतिदिन निराकरण किया गया। राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले तहसीलदार नायब तहसीलदार, पटवारी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की गई। उनके वेतन रोके जाने एवं कारण बताओं नोटिस जारी किए गए। जनवरी माह के वेतन आहरण पर रोक लगाई गई। इस कार्यवाही से अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भी अछूते नहीं रहे।

16 लाख पौधारोपण का लक्ष्य

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मंशा के अनुरूप कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर जिले में 16 लाख से अधिक पौधा रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया। जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के उद्देश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले के नदी, तालाब, और जल स्त्रोतों के किनारे पौधारोपण किया जाएगा। लक्ष्य के अनुरूप 14.50 लाख पौधे वन विभाग, 1.30 लाख पौधे पंचायत एवं नगरीय प्रशासन 20 हजार पौधे रोपण करेगा। पौध रोपण जहां पर्यावरण को संतुलित करता है, वहीं मानव जीवन के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने आमजन से अपील की है कि वे कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं। पौधों का चयन जिले की जलवायु के अनुकूल किया गया है। इससे फलदार पौधे आम, अमरूद, सीताफल, आंवला, नीम, करंज, अनार, गुल्हर, गुलमोहर आदि शामिल किए गए है।

मूलभूत सुविधाएं दे कॉलोनाइजर्स

कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा अनाधिकृत एवं अवैध कॉलोनाइजर के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए वर्ष 2016 के पूर्व में अस्तित्व आई अनाधिकृत कॉलोनियों में निवासियों को मूलभूत सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2016 के पूर्व की अनाधिकृत कॉलोनियों को वैध नहीं किया गया है, तो उन्हें अवैध भी घोषित नहीं किया गया है। परंतु नागरिकों को बिजली, पानी, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं कॉलोनाइजर को उपलब्ध करानी होगी। इन सुविधाओं के लिए निवासियों को निर्धारित व्यय की 20 प्रतिशत राशि देय होगी, शेष व्यय की 80 प्रतिशत राशि स्थानीय निकाय द्वारा वहन की जाएगी।

आगे पाठ पीछे सपाट..

जल गंगा संवर्धन योजना क्रियान्वयन अमृत योजना की प्रगति बाधक तो नहीं बने..?

नर्मदापुरम। प्रदेश सरकार की जल गंगा संवर्धन एक बेहतर योजना नगरपालिका द्वारा संचालित की जा रही है लेकिन दुर्भाग्य वह आगे पाठ पीछे सपाट वाली इमारत ही बन रही। एक दिन पहले नपा के सभी जिम्मेदार नगर के उस प्राचीन फेफरताल तालाब पर श्रमदान करने पहुंचे हैं जिस पर पूर्व नपाध्यक्ष रही राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया के समय से श्रमदान और एक से एक योजना क्रियान्वित कर तालाब संवारने का काम हुआ लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाले रहे। कभी इस तलाब को गहरी करण के नाम पर ट्रकों से मिट्टी निकालकर बेंची गई, तो कभी सौन्दर्य करण के नाम पर लाखों खर्च किए गए लेकिन कोई यहां ईमानदार नहीं रहा। परिषद आई और गई लेकिन तालाब आज भी वहीं के वहीं कर्मठ लोगों की कार्यशैली और ईमानदारी की कहानी कह रहा। प्रदेश सरकार की जल गंगा संवर्धन योजना के तहत निश्चित है कि जलस्रोत को रीचार्ज करने के लिए मशक्कत करनी है। लेकिन ईमानदारी से.. जो दिखाई नहीं देती अखबार और पेपर तक सीमित रहने वाली योजना और क्रियान्वयन करने/करवाने वाले की तस्वीर तक सीमित रहने वाले इन क्रार्यक्रम से दूसरे महत्वपूर्ण कार्य और पिछड़ जाते, अमृत योजना को नगरपालिका ठीक और ईमानदारी से संचालित करवा दे तो बहुत सी समस्याएं कंट्रोल में हो जाएंगी, अब एक तरफ योजना का क्रियान्वयन हो रहा तो तीन दिन से टेलीफोन एक्सचेंज के सामने बेकार अमृत योजना का जल बह रहा, यहां सवाल यह भी है कि प्राकृतिक स्त्रोत रीचार्ज करने की बात हो रही तो नगरपालिका को अमृत योजना की प्रगति पर भी प्रकाश डालना चाहिए।

श्रुत पंचमी पर शांतिनाथ जैन मंदिर में विधान, जिनवाणी सजाओ प्रतियोगिता हुई

धार। शहर के शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में मंगलवार को श्रुतपंचमी महापर्व पर भगवान के अभिषेक के साथ जिनवाणी माता को विराजमान कर श्रुत स्कंध विधान पूजन का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम शांति धारा का लाभ दिलीप लुहारिया को मिला। समाज अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल संजय छावड़ा एवं महिला मंडल अध्यक्ष नेहा छावड़ा महासमिति अध्यक्ष उषा गंगवाल ने बताया कि सर्वप्रथम शिखर पर ध्वजारोहण का लाभ राजेंद्र बांझल व नरेश गंगवाल को मिला। विधान पर मंगल कलश विराजमान करने का सौभाग्य राकेश कमल गंगवाल, जिनवाणी विराजमान करने का सौभाग्य प्रवीण प्रजल बड़जातया , दीपक स्थापना करने का सौभाग्य विद्यावती विमलचंद गोधा व मंडल जी पर कलश स्थापना करने का सौभाग्य माधुरी गंगवाल , अर्पणा जैन, अंगूरी, चंदा गंगवाल को प्राप्त हुआ। विधान के सोधर्म इंद्र जिनेंद्र काला थे. मीडिया प्रभारी पारस जैन गंगवाल ने बताया कि रात्रि में श्रुत पंचमी के पावन पर्व पर श्री भक्ताम्बर जी का पाठ कर जिनवाणी सजाओ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। प्रथम स्थान करिश्मा गंगवाल दूसरा स्थान सुरभि छाबड़ा तृतीय स्थान सुरभि रावका को मिला। जीनवाणी माता सजाओ प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया व जीनवाणी माता की आरती और भक्ति की। इस अवसर पर समाज उपाध्यक्ष संजय बेरछा योगेन्द्र बाबू किशोर जैन ,संजय दिलावरा आदि का सहयोग रहा।

कलेक्टर ने बदनावर क्षेत्र के प्रसिद्ध कोटेश्वर और नागेश्वर मंदिर में पौधारोपण के लिए देखे स्थल

धार। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा गुरूवार को बदनावर के कोटेश्वर और नागेश्वर मंदिर पहुंचकर मानसून सीजन में पौधारोपण के लिए स्थल निरीक्षण किया। यहां बड़े पैमाने पर नीम, करंज, सीताफल, बांस, आम, पीपल, आंवला, बेल सहित अन्य पौधों को रोपने की तैयारी जारी है।

नगर परिषद अध्यक्ष मीना शेखर यादव, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व दीपक चौहान, तहसीलदार सुरेश नागर, सीईओ जनपद पंचायत राजेंद्र परिहार उपस्थित थे।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने पौधारोपण के पश्चात उसकी देखभाल, जल की उपलब्धता और फेंसिंग आदि के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ग्राम

बटवाड़िया स्थित तालाब बागेड़ी तालाब पहुंचे। उन्होंने जनपद सीईओ को तालाब के नजदीक बने स्टॉप डैम में आवश्यक मरम्मत करने तथा नहरों की साफ सफाई करने के निर्देश दिए। यहां बताया गया कि बागेड़ी तालाब का निर्माण ग्राम बटवाडिया में बागेड़ी नदी पर वर्ष 2007 में किया गया था। तालाब की कुल लंबाई 1600 मीटर एवं अधिकतम ऊंचाई 24 मीटर है। तालाब की जीवित जल भराव क्षमता 7.31 मि.घन. मी. है एवं वर्तमान में 1513 हैक्टेयर में सिंचाई की जा रही है। साथ ही तालाब से प्रतिवर्ष नगरपालिका बदनावर को पेयजल हेतु कुल 0.74 मि घन मि पानी उपलब्ध कराया जाता है।

क्षेत्र की लाड़ली सावित्री ठाकुर के केंद्रीय राज्यमंत्री बनने के बाद प्रथम आगमन पर रोड शो, भव्य स्वागत के साथ होगा सम्मान

धार- महू लोकसभा क्षेत्र के नागरिकों को बहुत आशाएं हैं अपनी लाड़ली नेत्री से

धार। क्षेत्र की लाड़ली , धार- महू लोकसभा क्षेत्र की सांसद सावित्री ठाकुर के केंद्रीय राज्यमंत्री बनने के बाद प्रथम आगमन पर रोड शो, भव्य स्वागत के साथ होगा सम्मान समारोह होगा। मोदी सरकार 3.0 में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर 14 एवं 15 को जिले के प्रवास पर रहेंगी ।

इस दौरान प्रदेश सरकार में महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री निर्मला भूरिया, भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, इंदौर ग्रामीण जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा, महू विधायक उषा ठाकुर, धार विधायक नीना वर्मा , धरमपुरी विधायक कालू सिंह ठाकुर सहित वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती ठाकुर सुबह दिल्ली से प्रस्थान कर सुबह 10:30 बजे इंदौर एयरपोर्ट पहुंचेंगी वहां कैबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया और तुलसी सिलावट सहित वरिष्ठ नेता अगवानी करेंगे। सुबह 11 पिगडंबर में महाराणा प्रताप जी

प्रतिमा का माल्यार्पण कर महू किशनगंज आंगनबाड़ी का निरीक्षण करेंगी। दोपहर 12:30 पर महू में डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा व पातालपानी में टंट्या मामा की मूर्ति पर माल्यार्पण कर रोड शो आरंभ होगा। महूगांव, पीथमपुर, सागौर कुटी, इंडोरामा , घाटाबिल्लौद, लेबड़ गुणवाद तथा धार के जेतपुरा से एक विशाल रोड शो प्रारंभ होगा धार में कार्यक्रम स्थल पर सम्मान समारोह के साथ समापन होगा। 15 जून को सुबह केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर बदनावर के लिए प्रस्थान करेगी वहां पर स्थानीय चंद्रलीला पैलेस में पौधारोपण रक्तदान शिविर एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम में शामिल होगी। दो दिवसीय दौरे की तैयारी को लेकर गुरुवार को भाजपा जिला कार्यालय पर एक बैठक आयोजित की गई जिसमें भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, विधायक नीना वर्मा, भाजपा नेता डॉ शरद विजयवर्गीय , विश्वास पांडे निलेश भारती, उमेश गुप्ता, अनिल जैन बाबा, मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर और नितेश अग्रवाल व मंडल पदाधिकारी मुख्य से उपस्थित थे। केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती ठाकुर के प्रथम नगर आगमन पर इंदौर नाके से मिलन महल कार्यक्रम स्थल तक भाजपा संगठन, मोर्चा प्रकोष्ठ सहित विभिन्न सामाजिक संगठन के मंचों से स्वागत किया जाएगा।

धार के शनि मंदिर की बावड़ी व आनन्देश्वर मंदिर की बावड़ी की साफ-सफाई कर गाद निकाला

जल गंगा संवर्धन अभियान'' अंतर्गत नपा धार द्वारा जन भागीदारी से जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के किए जा रहे है प्रयास

धार। जल स्त्रोतों , नदी, तालाबी कुओं, बावडियों, तथा अन्य जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन हेतु ''जल गंगा संवर्धन अभियान'' के अन्तर्गत 16 जून तक अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरूवार को जल गंगा संवर्धन अभियान अन्तर्गत नगर पालिका परिषद धार द्वारा वार्ड कमाक 17 शनिमंदिर की बावडी व वार्ड क 21 में आनन्देश्वर मंदिर की बावडी की साफ-सफाई व गाद निकालने का कार्य किया गया। दोनो बावडियों से 6 ट्राली कचरा व 2 ट्राली गाद निकाली गई। इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी विकास डावर सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण एवं नागरिक गण उपस्थित थे।

नगर निगम द्वारा पानी की निकासी कर जल जमाव की समस्या का तत्काल निराकरण किया

देवास। बुधवार रात्री को शहर मे अचानक हुई तेज बारिश से कुछ वार्डो मे जल जमाव की स्थिती उत्पन्न हुई। महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल ने बारिश मे जल जमाव जैसी स्थिती उत्पन्न न हो इस हेतु गत माह से ही नालों एवं नालियों की सफाई का कार्य आरंभ करवा दिया गया था। जो निरंतर चल रहा है। निगम की नाला गैंग एवं वार्ड के सफाई मित्रो के साथ मिलकर संबंधित अधिकारियों के द्वारा विगत माह से नाला एवं नाली सफाई तथा चिन्हीत जल जमाव के स्थानो पर पानी निकासी की व्यवस्था पर कार्य किया जा रहा है। जिन वार्डो मे जल जमाव की स्थिती उत्पन्न होती है उन स्थानों के बडे नालो एवं नालियो की सफाई निगम की टीम द्वारा तेज गति से की जा रही है। गत बुधवार को रात्री मे हुई तेज बारिश से कुछ वार्डो मे जल जमाव की स्थिती उत्पन्न हुई। विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल ने तत्काल देर रात्री को वार्ड मे पैदल भ्रमण कर निरीक्षण किया तथा वहां के रहवासियों से चर्चा की। निगम की टीम बारिश होने के पूर्व से ही अलर्ट थी। निगम की टीम एवं अधिकारीयों द्वारा जहां जहां जल जमाव की स्थिती उत्पन्न हुई वहां से पानी निकासी का कार्य किया गया। रहवासियों द्वारा जल्द ही पानी की निकासी के निराकरण पर श्री अग्रवाल का आभार मानते हुए निगम की टीम को धन्यवाद दिया। श्री अग्रवाल ने बताया कि नगर निगम मे आयुक्त रजनीश कसेरा से पूर्व मे ही चर्चा कर बारिश के दिनों मे जल जमाव एवं अन्य समस्याओं के निपटान के लिए प्रथक से दल गठित किये जाने हेतु चर्चा हुई थी। चर्चा के दौरान ही आयुक्त ने दिन एवं रात्रीकालीन के लिए प्रथक प्रथक 2 दल सम्पूर्ण वर्षाकाल मे जल जमाव की स्थिती से निपटने के लिए गठित करवाये गये। श्री अग्रवाल के भ्रमण के दौरान निगम अधिकारी एवं टीम उपस्थित रही।

जल गंगा संवर्धन अभियान स्वच्छता श्रमदान गंगा दशहरा तक चलेगा

सुबह सवेरे सोहागपुर। पर्यावरण दिवस 5 जून से प्रारंभ जल गंगा संवर्धन अभियान नगर पंचायत परिषद के कर्मचारियों के माध्यम से जारी है। नगरपालिका अधिकारी जीएस राजपूत ने बताया कि उक्त अभियान गंगा दशहरा 16 जून तक चलेगा। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत अभियान के आठवें दिन आज नगर पंचायत परिषद के कर्मचारियों ने पलकमती नदी के पास स्थित कब्रिस्तान में स्वच्छता श्रमदान अभियान चलाया। आपने नागरिकों से पलकमती नदी को स्वच्छ बनाए रखने का आव्हान किया है।इस अवसर पर उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों ने नदी में साफ सफाई कर श्रमदान किया।वहीं जेसीबी मशीन के द्वारा नदी में एकत्रित कचरे एवं गाद को साफ किया गया। वहीं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर नगर पंचायत परिषद अध्यक्ष

प्रतिनिधि यशवंत पटेल,उपयंत्री आर.जी. चौबे,प्रदीप दुबे, एच.एल. परते,नरेंद्र धुर्वे, प्रबुद्ध दुबे, मनीष रघुवंशी,सूर्यनारायण पठारिया, लक्ष्मीनारायण मालवीय,राधेश्याम रघुवंशी, हरगोविंद व्यास,नीरज मलैया, अनिल रघुवंशी,प्रहलाद किरार,राजेश रघुवंशी, रणधीर रघुवंशी,राजेश मौर्य विनोद कुमार,दीपक कुमार आदि उपस्थित थे।

जल है तो ही कल है इसलिए प्राचीन जलस्त्रोतों का संरक्षण बेहद जरूरी : विधायक कालूसिंह ठाकुर

सुबह सवेरे नालछा। जनपद मुख्यालय की ग्राम पंचायत नालछा में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत कलश यात्रा निकाली गई जिसमे धरमपुरी विधायक कालूसिंह ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. सर्वप्रथम नालछा के पुलिस थाना परिसर स्थित अति प्राचीन मीठी बावड़ी में मां गंगा का आव्हान कर पूजन किया गया और देवी स्वरूपा कन्याओं का पूजन अर्चन कर कलश यात्रा निकाली गई, जो बस स्टेंड और शहीद चंद्रशेखर आजाद मार्ग से होते हुए प्राचीन नरसिंह मंदिर पहुंची जहां मंदिर में पूजन अर्चन कर यात्रा का समापन किया गया. मंचासीन अतिथियों का स्वागत सरपंच मोहन डावर व उपसरपंच राकेश कुशवाह ने किया. ग्रामीणों को संबोधित करते हुए धरमपुरी विधायक कालुसिंह ठाकुर ने कहा की हमारे घर और मोहल्ले के आसपास ही कई कुएं ओर बावड़ी मौजूद है पहले पेयजल सहित अन्य कार्यों में उपयोग करने के लिए इनमे से ही पानी लिया जाता था लेकिन संरक्षण और रख - रखाव के अभाव में ये जल स्त्रोत अब अनुपयोगी हो गए है हमे इनके संरक्षण के लिए आगे आना होगा ये हमारे पूर्वजों की दी हुई विरासत है जिन्हे सहेजकर रखना हमारी जवाबदारी है. विधायक श्री ठाकुर ने कोरोना काल को याद करते हुए कहा की उस समय ऑक्सीजन की अहमियत हम सबके सामने आई थी

दोबारा ऐसी स्थिति निर्मित न हो इसलिए पर्यावरण संरक्षण बेहद जरूरी है हमको अपने पूर्वजों की स्मृति में, अपने जन्मदिन पर और वैवाहिक वर्षगांठ जैसे अवसरो पर पौधारोपण अवश्य करना चाहिए और नए पेड़ लगाने के साथ साथ पुराने पेड़ो को भी बचाना चाहिए . कार्यक्रम में नालछा के सीएम राइज स्कूल नालछा की कक्षा 12 वी में उच्चतम अंक लाने वाली 2 प्रतिभावान छात्राओ कु.जयश्री पिता महेंद्र मंडलोई को 82.02 और कु.प्रतिक्षा पिता विपिन ठाकुर को 78.02 प्रतिशत अंक लाने पर विधायक श्री ठाकुर सहित अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया.भाजपा जिला मंत्री पवन कुशवाह,नालछा मंडल महामंत्री विनोद ठाकुर, विधायक प्रतिनिधी अशोक जाट व संतोष पटेल व युवा मोर्चा के निखिल ग्वाल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया. स्वागत भाषण जनपद पंचायत सीईओ संदीप डावर ने दिया संचालन दशरथ जाट सिग्गा ने किया व अंत में आभार नालछा सरपंच मोहन डावर ने माना. इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश कामदार,पूर्व मंडल अध्यक्ष रवींद्र परिहार,मांडू नगर परिषद उपाध्यक्ष कृष्णा यादव,वरिष्ठ अशोक मिरदवाल,संतोष राठौड़, भौजपाल दरबार, सोमनाथ तिवारी,बूथ अध्यक्ष सत्यनारायण सेन,सुरेश दायमा व धीरज मिरदवाल,गुड्डा गुर्जर,विधायक प्रतिनिधि क्रमशः डाक्टर महेश यादव,पप्पू कटारे, पुष्पेंद्र गंगवाल,सीताराम ठाकुर,महेश ओसारी,अनिल पटेल,युवा मोर्चा से सन्नी चौहान,मयंक जैन,जीवन दायमा, शुभम बड़गुर्जर,महेश जाट,सचिन दायमा, मगन मुवेल,रघु निनामा,बीईओ बी.एम. चौरासिया, शिक्षक राजेश राठौड़,पंचायत सचिव जगदीश गिरवाल, उपयंत्री संदीप गंगले सहित महिला एवं बाल विकास विभाग से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका और बड़ी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद थे.

रूफ रेन हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाकर बरसात के पानी का संचय करें : कलेक्टर श्री गुप्ता

देवास। अमृत संचय अभियान के संबंध में कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता की अध्यक्षता में व्यापारी और सामाजिक संगठनों की बैठक कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती प्रियंका मिमरोट, डॉ समीरा नईम, अमृत संचय अभियान के श्री सुनील चतुर्वेदी, श्री गंगा सिंह सोलंकी, श्री मोहन वर्मा, श्री श्रीकांत उपाध्याय सहित सभी व्यापारी और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने व्यापारी और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से कहा कि सभी रूफ रेन हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाये और रूफ रेन हार्वेस्टिंग सिस्टम से पानी का संचय करें। जिला प्रशासन द्वारा बरसात के जल को सहेजने का कार्य किया जा रहा है। आप भी आगे आये और बरसात के जल को सहेजने के लिए रूफ रेन हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाये। यदि बरसात का पानी रूफ वाटर हार्वेस्टिंग तकनीक के माध्यम से जमीन में उतारेंगे तो निश्चित भू-जल स्तर में वृद्धि होगी। ट्यूबवेल के पानी की हार्डनेस भी कम हो जायेगी, क्योंकि बरसात का पानी सॉफ्ट है। यही बारिश का पानी बहकर सड़कों तक नहीं पहुंचेगा तो शहर में बरसात के मौसम में जल भराव की समस्या नहीं होगी। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि बरसात से पहले छतों को अच्छे से साफ कर लें। जिन घरों में बोरिंग नहीं है, वहां घर में गढ्ढा खोदकर प्लास्टिक की पानी की टंकी का तला काटकर गढ्ढे में रखे, जिससे पानी जमीन में जा सकें।

बैठक में बताया गया कि शहर में वर्षाजल को बचाने के लिए जागरूकता अभियान, तकनीकि मार्गदर्शन, जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन, मॉनिटरिंग एवं मूल्यांकन, दस्तावाजिकरण कार्य किया जायेगा। पानी का संकट दिन-ब-दिन गहराता जा रहा है। पहले ट्यूबवेल में पानी कम गहरायी पर मिल जाता था, वही आज अधिक गहरायी पर भी पानी नहीं मिल रहा है।

गरीब और जरूरतमंदों को मिले दुधारू पशु प्रदाय योजना का लाभ : श्री मंगुभाई पटेल

राज्यपाल ने की पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग की समीक्षा

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री दुधारू पशु प्रदाय योजना का लाभ ग़रीब और ज़रूरतमंदों को मिले। हितग्राहियों के चिन्हांकन में उनकी आर्थिक स्थिति का विशेष ध्यान रखा जाए। पशुपालकों को पशु प्रदान करते समय अच्छी नस्ल के स्वस्थ पशु प्रदान करें। उन्हें पशुओं के रख-रखाव आदि की जानकारी दे। श्री पटेल ने उक्त निर्देश राजभवन में आयोजित पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग की समीक्षा बैठक में दिए। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि दुधारु पशु प्रदाय योजना के अंतर्गत पशुपालकों के लिए दुग्ध संग्रहण की विशेष व्यवस्था बनाए। श्री पटेल ने दुधारू पशु प्रदाय योजना के तहत प्राप्त लक्ष्य तथा उपलब्धि, बजट एवं आगामी प्रस्तावों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि योजना के लक्ष्य को आवश्यकतानुसार बढ़ाएं और उसे प्राप्त करने का भरसक प्रयास करें। राज्यपाल श्री पटेल ने बैगा, भारिया, सहरिया जनजाति क्षेत्रों में पशुप्रदाय योजना की विगत और वर्तमान स्थिति की तुलनात्मक समीक्षा की। उन्होंने इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियों से पशु प्रदाय के लिए पात्रता निर्धारण, पशु चयन और वितरण की समस्त प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी ली।

राजभवन के जवाहर खण्ड में आयोजित बैठक में जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री दीपक खाण्डेकर, राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री मुकेश चन्द गुप्ता, पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री गुलशन बामरा, राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाकांत भार्गव, राज्यपाल के विधि अधिकारी श्री उमेश श्रीवास्तव, संचालक पशु पालन एवं डेयरी विकास और संबंधित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मध्यप्रदेश के 15 डीएवीआई जिलों में शत-प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य

जीरो डोज इम्प्लीमेंटेशन प्लान कार्यशाला में कार्ययोजना के प्रति किया गया उन्मुखीकरण

भोपाल (नप्र)। प्रदेश के ऐसे ज़िले जहाँ पर टीकाकरण विहीन बच्चों का बाहुल्य है वहाँ टीकाकरण की सघनता बढ़ाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के सहयोग से स्वास्थ्य विभाग द्वारा कार्ययोजना का निर्माण किया जा रहा है। कार्ययोजना निर्माण और क्रियान्वयन के लिए यूएनडीपी के सहयोग से भोपाल में विभिन्न स्टेकहोल्डर्स की 1 दिवसीय 0 डोज इमप्लिमेंटेशन प्लान कार्यशाला हुई। उल्लेखनीय है कि भारत शासन ने 11 राज्यों के 143 जिलों का चयन किया है (जिसमें मध्यप्रदेश के 15 जिले शामिल हैं) जहां 1 वर्ष तक के 0 डोज प्राप्त बच्चों की संख्या अधिक पायी गई है। मिशन संचालक एनएचएम श्रीमती प्रियंका दास ने कहा कि यह स्वास्थ्य विभाग के लिए महत्वपूर्ण अवसर है कि टीकाकरण में पीछे रह गये क्षेत्रों को अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का विशेष सहयोग प्राप्त होने जा रहा है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अमले को इस मौक़े लाभ लेकर शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के लिए पूरे मनोयोग से प्रयास करने और संस्थाओं को अपेक्षित सहयोग प्रदान करने के लिए निर्देशित किया। कार्यशाला में एनएचएम के उपसंचालक, सीएमएचओ, डीईओ तथा टीकाकरण पार्टनर एजेंसी के सदस्य उपस्थित थे।

मॉनिटरिंग एवं रिकॉर्ड संधारण के लिए डिजिटल तकनीक का प्रयोग- डब्ल्यू.एच.ओ. द्वारा समस्त जिलों की कार्ययोजना 30 जून तक कम्प्यूटरीकृत कर ली जायेगी। यूएनडीपी के सहयोग से 0 से 5 वर्ष के सभी बच्चों का टीकाकरण रिकॉर्ड यूविन पोर्टल में अपडेट किया जायेगा। जे.एस.आई. द्वारा शत प्रतिशत वैक्सीनेटर के मॉड्यूल आधारित प्रशिक्षण 30 जुलाई तक पूर्ण किया जायेगा। यूनीसेफ द्वारा शीघ्र ही एकीकृत मेन्टिरिंग मॉनीटरिंग एप का उपयोग कर सुपरविजन टूल दिया जायेगा। जिससे जिले एवं ब्लॉक में पायी गई कमियों का सुधार उसी दिन किया जा सकेगा।

नियमित समीक्षा- डब्ल्यू.एच.ओ. की निगरानी में प्रदेश में 200 फील्ड मॉनीटर सत्र स्थल एवं घर-घर जाकर रिपोर्ट तैयार करेंगे। रिपोर्ट के आधार पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी साप्ताहिक समीक्षा करेंगे और ऐक्शन टेकन रिपोर्ट राज्य टीकाकरण प्रकोष्ठ को प्रेषित करेंगे। प्रतिरोधी परिवारों के लिये विशेष कार्ययोजना बनायी जाएगी।

1 भी घर, 1 भी बच्चा टीकों से वंचित न रहे- यूएनडीपी के राष्ट्रीय सलाहकार डॉ प्रदीप हलदर ने कहा कि 1 वर्ष के भीतर जिन्हें 1 भी डोज डी.पी.टी. युक्त (पेन्टाविलेंट) वैक्सीन प्राप्त नहीं हुई हैं उन्हें जीरो डोज अंतर्गत रिपोर्ट माना जायेगा।

मुख्यमंत्री ने की वर्ष 2024-25 की राजस्व प्राप्तियों की समीक्षा

राजस्व प्राप्तियों में वृद्धि के हरसंभव प्रयास हों : मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार को विभिन्न स्त्रोतों से हो रही राजस्व प्राप्तियों में वृद्धि के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं। राजस्व प्राप्तियों के लिए अन्य राज्यों द्वारा क्रियान्वित की जा रही बेस्ट प्रैक्टिसेस को अपनाने के साथ-साथ राज्य की परिस्थितियों के अनुसार अधिक प्रभावी कार्ययोजना बनाने के उद्देश्य से विषय-विशेषज्ञों की सलाह भी ली जाए। राजस्व प्राप्तियां बढ़ाने के लिए पारदर्शिता और ईमानदारी से कार्य हो। अधिक राजस्व प्राप्तियों से ही विकास और जनकल्याणमूलक कार्यों को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव वर्ष 2024-25 की राजस्व प्राप्तियों की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। समत्व भवन में हुई बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव श्री जे.एन. कंसोटिया, श्री एस.एन. मिश्रा, डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष सिंह सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्टाम्प और पंजीयन में सजगता बढ़ाते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि भूमि के वास्तविक मूल्य और जिस दर पर रजिस्ट्री हो रही है, उसमें अधिक अंतर न हो। प्रदेश के जिन स्थानों पर दरों में अधिक असमानता है, वहाँ दरों को समायोजित किया जाए। आबकारी से जुड़ी गतिविधियों में राजस्व हानि रोकने और नियमानुसार सामग्री का विक्रय सुनिश्चित करने के लिए आकस्मिक निरीक्षण संबंधी कार्रवाईयाँ बढ़ाई जाएं। राजस्व, धर्मस्व सहित अन्य विभागों की भूमियों को चिन्हित कर सुनिश्चित किया जाए कि इन पर अतिक्रमण न हो तथा ऐसी भूमियों के महत्व अनुसार राजस्व प्राप्तियों में वृद्धि की दृष्टि से उनका उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश से निकलने वाली खनिज सम्पदा पर निगरानी के लिए अद्यतन तकनीक का उपयोग करते हुए प्रदेश में नाकों की संख्या बढ़ाई जाए। खनन के लिए आवंटित निर्धारित क्षेत्र में खनन गतिविधियां हों, इस पर निगरानी के लिए ड्रोन और सेटेलाइट सर्वे का उपयोग किया जाए। खनिज व्यवसाय में प्रदेश के व्यावसायियों को प्रोत्साहित किया जाए, प्रदेश में खनिज आधारित उद्योगों को बढ़ाने के लिए नीति बनाई जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में उपलब्ध वन सम्पदा और लकड़ी पर आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित किया जाए। देश में जिन स्थानों पर लकड़ी की मांग अधिक है, वहाँ प्रदेश की श्रेष्ठ लकड़ी की नीलामी की व्यवस्था विकसित की जाए। बैठक में वैट, जीएसटी, स्टाम्प पंजीयन, माइनिंग, आबकारी, राजस्व, खनिज, परिवहन, ऊर्जा, वन और सिंचाई क्षेत्र से आने वाली राजस्व प्राप्तियों के लक्ष्य, वर्तमान स्थिति और आगामी कार्ययोजना पर विचार-विमर्श हुआ।

एमपी के निमाड़ में आंधी-बारिश का अलर्ट

आज भी कुछ जगह बिजली गिरने का अनुमान ; 18 जून तक होगी मानसून की एंट्री

भोपाल (नप्र)। महाराष्ट्र के कई हिस्सों को कवर कर चुका मानसून मध्यप्रदेश की सीमा के करीब है, लेकिन बंगाल की खाड़ी और अरब सागर की ब्रांच के कमजोर होने की वजह से इसकी एंट्री में 4 से 5 दिन और लगेंगे। आईएमडी भोपाल के सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया, प्रदेश में मानसून 18 जून तक आ सकता है। दक्षिण हिस्से से मानसून एंटर होगा।

इधर, प्रदेश में प्री-मानसून की एक्टिविटी जारी है। बुधवार को छिंदवाड़ा के चांद के सिरस सिंगोड़ी गांव में बिजली गिरने से 18 साल के चंदन कहार की मौत हो गई। वहीं, शाम के बाद भोपाल, विदिशा, देवास, नीमच, सीहोर, खरगोन के महेश्वर, इंदौर, शाजापुर, खंडवा के ओंकारेश्वर, पांढुर्णा, डिंडोरी, सिवनी, बालाघाट, अशोकनगर, छिंदवाड़ा, उदयगिरि, राजगढ़, अलीराजपुर, धार, सागर, दमोह, अनूपपुर के अमरकंटक, रायसेन और बड़वानी जिलों में भी मौसम बदला रहा।

खजुराहो में सबसे ज्यादा 45.4 डिग्री टेम्प्रेचर- इधर, कई जिलों में गर्मी का असर भी देखा गया। छतरपुर के खजुराहो में टेम्प्रेचर सबसे ज्यादा 45.4 डिग्री रहा। वहीं, बिजावर में 45.3 डिग्री और निवाड़ी के पृथ्वीपुर में पारा 45 डिग्री दर्ज किया गया। सबसे गर्म टॉप-10 शहरों में ग्वालियर, नौगांव, सिंगरौली, रीवा, सतना, सीधी और दमोह भी शामिल हैं।

हवाई सफर की सुविधा से विकास की उड़ान भरेगा विंध्य : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

रीवा एयरपोर्ट का अगले माह होगा उद्घाटन

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि विन्ध्य क्षेत्र को आज विकास की एक और बड़ी सौगात मिली। विन्ध्य के रीवा और सिंगरौली जिले से एयर टैक्सी की सुविधा आरंभ हुई है। हवाई सफर की सुविधा से विन्ध्य विकास की उड़ान भरेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आज रीवा एयरपोर्ट में भोपाल से आ रही 'पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा' के विमान की अगुवाई की और सिंगरौली के लिए हरी झंडी दिखाकर विमान को रवाना किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के आगामी सौ दिवसों के कार्यक्रम में रीवा एयरपोर्ट का लोकार्पण शामिल है। लोकार्पण की सभी औपचारिकता एक सप्ताह में पूर्ण कर ली जाएंगी। अगले महीने भव्य समारोह में रीवा एयरपोर्ट का उद्घाटन होगा। प्रारंभिक तौर पर रीवा से भोपाल के लिए 72 सीटर हवाई जहाज से आने जाने की सुविधा मिलेगी। इसका दिल्ली, इंदौर, बंगलौर तथा अन्य बड़े शहरों तक विस्तार किया जाएगा।

सिंगरौली जाने वाले यात्रियों को बोर्डिंग पास प्रदान किए- उल्लेखनीय है कि भोपाल के राजाभोज विमानतल से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भोपाल से रीवा तथा सिंगरौली जाने वाले विमान को रवाना किया। एयर टैक्सी के रीवा एयरपोर्ट पहुंचने पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल और सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने यात्रियों का पुष्पहार से

स्वागत किया। एयर टैक्सी से भोपाल से रीवा पहुंचे प्रथम यात्री विधायक सिरमौर श्री दिव्यराज सिंह का श्री शुक्ल ने गर्मजोशी से स्वागत किया। एयर टैक्सी की प्रथम यात्रा में रीवा से 6 यात्रियों को सिंगरौली जाने का अवसर मिला। उप मुख्यमंत्री ने सिंगरौली जाने वाले यात्रियों श्री अनिल तिवारी, श्री संदीप कुमार पाण्डेय, श्री सतीशचन्द्र दुबे, श्री सूर्यप्रकाश पाण्डेय, श्री संजीव कुमार सोनी और श्री अरविंद पाण्डेय को बोर्डिंग पास प्रदान किए। समारोह में सांसद श्री मिश्र ने कहा कि आज का दिन बहुत गौरवशाली है। विन्ध्य को आज बड़ी सौगात मिली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी और मुख्यमंत्री डॉ यादव के प्रयासों से गरीब के हवाई यात्रा के सपने को सच किया जा रहा है। समारोह में एयर टैक्सी सेवा के प्रथम यात्री विधायक सिरमौर श्री दिव्यराज सिंह ने कहा कि टैक्सी सेवा का प्रथम यात्री बनना मेरे लिए बहुत बड़ा सौभाग्य है। रीवा में अब चारों ओर हाईवे, वंदे भारत ट्रेन के साथ रीवा से 14 ट्रेनों की सुविधा और आज से एयर टैक्सी की सुविधा उपलब्ध हो गई है। उन्होंने कहा कि उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के प्रयासों से विन्ध्य तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। नगर निगम के अध्यक्ष श्री व्यंकटेश पाण्डेय, कमिश्नर श्री गोपाल चन्द्र डाड, आईजी श्री एमएस सिकरवार, डीआईजी श्री साकेत प्रकाश पाण्डेय सहित वरिष्ठ अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयास से टीकमगढ़ शहर को उत्तरप्रदेश के बाँध से मिलेगा पेयजल

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयास से टीकमगढ़ शहर की पेयजल व्यवस्था के समाधान के लिए उत्तरप्रदेश सरकार जमरार बाँध (ललितपुर, उ.प्र.) से 1.00 एम.सी.एम. जल प्रदाय किए जाने पर सहमति हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टीकमगढ़ में सुचारू पेयजल प्रदाय सुनिश्चित करने के प्रशासन को निर्देश दिए थे। इस क्रम में उन्होंने अपनी ओर से उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर जानकारी दी थी। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने टीकमगढ़ में पेयजल समस्या उत्पन्न होने की जानकारी मिलते ही त्वरित कदम उठाए और उत्तर प्रदेश सरकार से संपर्क किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र में लिखा था कि टीकमगढ़ नगर में जलापूर्ति जामनी नदी से की जाती है। ग्रीष्म ऋतु में जामनी नदी में पानी का प्रवाह कम हो जाने से तथा जामनी नदी के अप स्ट्रीम में उत्तरप्रदेश में जामनी बाँध और भौराट बाँध के निर्माण के कारण टीकमगढ़ शहर में पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न हो रही है। टीकमगढ़ शहर के पेयजल संकट का जमरार बाँध से 1.00 एम.सी.एम. पानी प्रदाय किए जाने की स्थिति में समाधान संभव है। अनुरोध है कि टीकमगढ़ शहर के पेयजल के लिए उत्तरप्रदेश में ललितपुर जिले में स्थित जमरार बाँध से 1.00 एम.सी.एम. जल उपलब्ध कराने के निर्देश जारी कर टीकमगढ़ शहर एवं प्रदेश की जनता को अनुग्रहित करें। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के पत्र पर संज्ञान लिया और इस तरह टीकमगढ़ के लगभग दो लाख निवासियों को अब पेयजल समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को भेजे पत्रोत्तर में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि व्यापक जनहित को देखते हुए टीकमगढ़ के निवासियों के लिए इस माह जमरार बांध से 0.72 एम.सी.एम. जल उपलब्ध करवाया जाएगा।